संस्थापक : स्व . श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
गुरुवार
12 नवंबर, 2026
वर्ष:25 अंक: 139
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

विकास कार्यों के टेंडर में तेजी के लिए अलग कॉरपोरेशन बनाया जाए: मुख्यमंत्री



पेज-4

मोटी-मोटी बातें

बिम्सटेक स्वास्थ्य मंत्रियों की सफल बैठक के लिए भारत ने श्रीलंका को दी बधाई, जामनगर बनेगा पारंपरिक चिकित्सा का हब



नई दिल्ली। श्रीलंका को कोलंबो में बुधवार को 'बिम्सटेक' स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक का सफल आयोजन हुआ। भारत ने इसके लिए श्रीलंका को बधाई दी। भारत ने कहा कि यह बैठक स्वास्थ्य क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक 'महत्वपूर्ण मील का पत्थर' है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि संशोधित कार्य योजना (2026-2030) को मंजूरी मिलने से क्षेत्रीय स्वास्थ्य सहयोग के प्रति सदस्य देशों की सामूहिक प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, '11 नवंबर 2026 को कोलंबो में आयोजित पहली 'बिम्सटेक' स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक की सफल मेजबानी के लिए श्रीलंका को बधाई। यह बैठक स्वास्थ्य क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत को खुशी है कि सभी सदस्य देशों ने भारत के जामनगर में 'बिम्सटेक' पारंपरिक चिकित्सा केंद्र स्थापित करने पर सहमति जताई है।'

मंत्रालय ने कहा कि यह पहल पूरे क्षेत्र में पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा देने और लोगों के लिए बेहतर निवारक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद करेगी। इससे पहले दिन में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने 'बिम्सटेक' स्वास्थ्य मंत्रियों की उद्घाटन बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अपने अनुभव और सफल मॉडल 'बिम्सटेक' सदस्य देशों के साथ साझा करने के लिए तैयार है। नड्डा ने आयुष्मान भारत योजना, मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे और डिजिटल स्वास्थ्य पहलों के जरिए भारत की सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में हुई प्रगति को भी रेखांकित किया।

बीकानेर में दर्दनाक हादसा: डिग्गी में डूबने से एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत, बचाने के प्रयास में गई जान

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर जिले में बुधवार को एक हृदयविदारक हादसा हो गया। छतरगढ़ थाना क्षेत्र के 4 एडब्ल्यूएम इलाके में पानी की डिग्गी में डूबने से एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई। मृतकों में 14 वर्षीय पूजा सहित मुकेश, मनोज और निर्मल शामिल हैं। एक को बचाने के लिए तीन अन्य भी कूदे प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह पूजा नायक खेत में बनी डिग्गी से पानी निकाल रही थी। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह पानी में जा गिरी। बहन को डूबता देखकर उसके दोनों भाई मुकेश और मनोज उसे बचाने के लिए डिग्गी में कूद गए। इसी दौरान कालूराम का बेटा निर्मल भी उन्हें बचाने के लिए पानी में उतर गया। लेकिन पानी की गहराई के कारण चारों बाहर नहीं निकल सके।

हादसे में जान गंवाने वाले चारों बच्चे दो सगे भाइयों के परिवार से थे। इनमें रमेश नायक के तीन बच्चे और कालूराम का एक बेटा शामिल था। एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) बनवारी लाल मीणा ने बताया कि छतरगढ़ थाने से करीब दो किलोमीटर दूर सोना राम मेघवाल का खेत है, जिसे रमेश नायक ने लीज पर ले रखा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल पर पहुंचने तक एक बच्चे की मौत हो चुकी थी, जबकि अन्य तीन को बेहद कमजोर नब्ज की स्थिति में अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, उपचार के दौरान तीनों ने भी दम तोड़ दिया।

अर्जेंटीना की नौसेना और वायु सेना को ईरान ने बताया आतंकवादी संगठन

तेहरान। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) को आतंकी संगठन घोषित करने के जवाब में ईरान ने भी अर्जेंटीना की नौसेना और वायु सेना को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि यह फैसला अर्जेंटीना सरकार की ओर से मार्च के अंत में ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) को आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने के जवाब में लिया गया है। अपने बयान में ईरान ने अर्जेंटीना के फैसले को 'शत्रुतापूर्ण' और 'अंतरराष्ट्रीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ' बताया।

मंत्रालय ने कहा कि उसका यह कदम 'पारस्परिक कार्रवाई' के सिद्धांत पर आधारित है। साथ ही, यह उस घरेलू कानून के तहत उठाया गया है, जो अमेरिका की ओर से आईआरजीसी को आतंकवादी संगठन घोषित करने के जवाब में बनाया गया था।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह कानून उन देशों के खिलाफ समान जवाबी कदम उठाने की अनुमति देता है, जो वॉशिंगटन की ईरान-विरोधी नीतियों का समर्थन करते हैं या उनका पालन करते हैं।

ईरान ने कहा कि इस फैसले के परिणामों की पूरी जिम्मेदारी अर्जेंटीना सरकार की होगी। मंत्रालय ने कहा कि आईआरजीसी, ईरान की सशस्त्र सेनाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

महंगाई का एक और झटका... अमूल गोल्ड 4 रुपये तो ताजा 2 रुपये प्रति लीटर महंगा, 12 नवंबर से नई कीमतें लागू

नई दिल्ली: डेयरी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) ने अमूल ब्रांड के दूध की कीमतों में दो से चार रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। नई दरें बृहस्पतिवार से लागू होंगी। जीसीएमएमएफ ने बुधवार को कहा कि दूध उत्पादन की लागत में भारी वृद्धि के चलते उसे यह कदम उठाना पड़ रहा है।

देशभर में अमूल दूध की कीमतों में चार से पांच प्रतिशत की वृद्धि की गई है। नई दरें 12 नवंबर, 2026 से लागू होंगी। जीसीएमएमएफ ने कहा, ''सबसे अधिक बिकने वाले अमूल ताजा टोंड दूध (तीन प्रतिशत वसा) की कीमत में केवल दो रुपये प्रति लीटर (3.3 प्रतिशत) और अमूल गोल्ड दूध (छह प्रतिशत वसा) की कीमत में चार रुपये प्रति लीटर (5.5 प्रतिशत) की वृद्धि की गई है।'' कंपनी ने इससे पहले इस साल मई में दूध की कीमतें बढ़ाई थीं। जीसीएमएमएफ ने कहा कि दूध उत्पादन और प्रसंस्करण की लागत में भारी वृद्धि के कारण कीमतें बढ़ाने का फैसला किया गया है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 1,000 और 'पेंडु खेड मैदानां' का किया उद्घाटन



हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पंजाब भर के 1,000 और 'पेंडु खेड मैदानां' लोगों को समर्पित किए, जिससे कुल लक्ष्य 3,100 में से अब तक उद्घाटित किए गए कुल मैदानों की संख्या 1,764 हो गई है। पंजाब सरकार युवाओं की ऊर्जा को खेलों की ओर लगाने और उन्हें नशे से दूर रखने के लिए अपनी मुहिम को तेज कर रही है। फतेहगढ़ साहिब के हलका अमलोह के गांव शाहपुर में उद्घाटन समारोह में शामिल होते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतिभा के हब के रूप में उभरने की नींव रख रहा है, जिसमें हर खेल मैदान को फुटबॉल, हॉकी, वॉलीबॉल और क्रिकेट किट से लैस किया जा रहा है। पिछली सरकारों पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने न तो गांवों को ग्रांट दीं और न ही विकास कार्य किए, जबकि हमारी सरकार ग्रामीण युवाओं को अंतरराष्ट्रीय एथलीट बनने और पंजाब का नाम रोशन करने के अवसर देने के लिए खेल बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दे रही है। इस मौके की कुछ झलकियां साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "आज मैं जिला फतेहगढ़ साहिब के अमलोह हलका के अंतर्गत पड़ने वाले गांव शाहपुर में खेल मैदान के उद्घाटन समारोह में शामिल हुआ। यह बहुत खुशी की बात है कि पंजाब सरकार ने आज राज्य भर में 1,000 नए खेल मैदानों का उद्घाटन किया है। यह हमारे युवाओं को खेलों से जोड़ने और उन्हें नशे से दूर रखने की ओर बड़ा कदम है। हमें पूरा विश्वास है कि इन खेल मैदानों में पसीना बहाकर हमारे युवा आने वाले वर्षों में पूरी दुनिया में पंजाब का नाम रोशन करेंगे।"

इकट्ठ को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के युवाओं की ऊर्जा को नशे के कोढ़ से बचाने और उन्हें रचनात्मक दिशा देने के लिए खेलों की ओर मोड़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने राज्य के अलग-अलग हिस्सों से इस कार्यक्रम में शामिल होने आए लोगों और राजनीतिक नेताओं का स्वागत किया और कहा कि एक स्वस्थ, अनुशासित और प्रगतिपसंद समाज की रचना में खेल अहम भूमिका निभा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा, "हमारी सरकार पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए वचनबद्ध है। हम आज लोगों को 1,000 और खेल मैदान समर्पित कर रहे हैं क्योंकि हमारे युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने के लिए उचित सुविधाओं और अवसरों की जरूरत है। उनकी ऊर्जा को खेलों की ओर लगाकर हम उन्हें नशे से दूर रख सकते हैं और पंजाब तथा देश का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं।"

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने पहली बार गांवों में उच्च स्तरीय खेल बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिए आज बड़े पैमाने पर पहल की है, जिससे ग्रामीण युवाओं को उनके घरों के नजदीक आधुनिक सुविधाएं मिलना सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने आगे कहा, "इस पहल के तहत पंजाब भर में 3,100 'पेंडु खेड मैदान' विकसित किए जा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षा बलों पर आतंकी हमला, तीन CRPF जवान घायल





श्रीनगर- जम्मू-कश्मीर के दक्षिण कश्मीर स्थित कुलगाम जिले में बुधवार को आतंकियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर गोलीबारी की। अखरन इलाके में एक नाका पार्टी पर हुए हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के तीन जवान घायल हो गए। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और हमलावरों की तलाश में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, कुलगाम जिले के अखरन इलाके में सुरक्षा बलों की नाका पार्टी पर गोलीबारी की घटना सामने आई। इस दौरान सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हमले के बाद अतिरिक्त सुरक्षा बलों को मौके पर तैनात किया गया है। इलाके में संदिग्ध आतंकियों की तलाश की जा रही है।

इस घटना के बीच जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से हाल ही में दी गई जानकारी भी महत्वपूर्ण है। कश्मीर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) सुजीत कुमार ने बताया था कि दक्षिण कश्मीर के कुछ हिस्सों में एक स्थानीय आतंकी सक्रिय है। उसके साथ कुछ विदेशी आतंकियों के जुड़े होने की भी आशंका है।

होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री बारूदी सुरंग से टकराया तेल टैंकर, ईरान ने नयिमों के उल्लंघन का लगाया आरोप

तेहरान। होर्मुज स्ट्रेट के पूर्वी हिस्से में एक और तेल टैंकर में समुद्री बारूदी सुरंगों से टकराने के बाद आग लग गई। ईरान की नौसेना ने बुधवार को कहा कि तेल टैंकर ने नयिमों का उल्लंघन कयिा और हादसे का शिकार हो गया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, नौसेना के बयान के अनुसार, यह घटना बुधवार तड़के उस समय हुई जब तेल टैंकर जलडमरूमध्य के पूर्व में स्थित एक 'असुरक्षित और प्रतिबंधित' क्षेत्र से गुजर रहा था। ईरानी नौसेना ने कहा कि उसकी सेनाएं जलडमरूमध्य के पूर्वी जलक्षेत्र पर लगातार नजर रख रही हैं। उसने जोर देकर कहा कि इस जलमार्ग से सुरक्षित आवाजाही के लिए ईरानी सशस्त्र बलों के साथ समन्वय और समुद्री नियमों का पालन जरूरी है। इस बीच, ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ अली अब्दुल्लाही ने अमेरिका और इजरायल को नई गलतियां करने से बचने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि जो भी स्थान ईरान के इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ खतरे का केंद्र बनेगा, वह असमान सैन्य अभियानों का सीधा निशाना होगा।



ईरानी मीडिया में जारी अपने संदेश में उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की ओर से दिए गए किसी भी आदेश का सशस्त्र बल बिना किसी हिचकिचाहट के पालन करेंगे।

इससे एक दिन पहले, मंगलवार को ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने दावा किया था कि होर्मुज स्ट्रेट में 'अनधिकृत मार्ग' से गुजर रहे दो तेल टैंकरों में बड़े विस्फोट हुए। आईआरजीसी नौसेना के अनुसार, दोनों टैंकरों ने अपने सभी नेविगेशन और पहचान संबंधी सिस्टम बंद कर दिए थे। इसके बाद उनमें आग लग गई और वे रुक गए।

बयान में कहा गया कि एक टैंकर नौसैनिक बारूदी सुरंग से टकराने के बाद विस्फोट का शिकार हुआ, जबकि दूसरा टैंकर, जिसे ईरान ने अमेरिकी लड़ाकू विमानों का समर्थन प्राप्त बताया, एक घटना के बाद आग की चपेट में आ गया। आईआरजीसी नौसेना ने फिर चेतावनी दोहराई कि जलडमरूमध्य में 'अनधिकृत मार्ग' असुरक्षित है। उसका कहना है कि जो भी जहाज अमेरिकी सेना के सहयोग से इस रास्ते से गुजरने की कोशिश करेगा, उसे इसी तरह के परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

बता दें कि 28 फरवरी को ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण और सख्त कर दिया था। अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरानी क्षेत्र पर संयुक्त हमलों के बाद ईरान ने इजरायल और अमेरिका से जुड़े या उनके सहयोगी जहाजों की सुरक्षित आवाजाही पर रोक लगा दी थी।

यह बंगला अशुभ है...10 जनपथ को 'अशुभ' मानते थे राजीव गांधी के सहयोगी, सोनिया ने अंधविश्वास समझकर उड़ा दिया था मजाक

नई दिल्ली: राजीव गांधी प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद जब अपने परिवार के साथ नए आवास '10 जनपथ' में जाने वाले थे तो उनके कई सहयोगियों ने उन्हें वहां नहीं रहने की सलाह दी थी, क्योंकि वे उस बंगले को 'अशुभ' मानते थे। हालांकि, राजीव और सोनिया गांधी ने इस बात को अंधविश्वास मानकर हंसी में उड़ा दिया और इसे अपना नया आशियाना बना लिया। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने अपनी आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग: एक जर्नी ऑफ लव' में इस रोचक वाकये का जिक्र किया है। राजीव गांधी, सोनिया गांधी और उनके बच्चे पांच फरवरी, 1990 को '10जनपथ' में दाखिल हुए थे। इसके बाद से लगातार यह सोनिया गांधी का आवास बना हुआ है।



सोनिया गांधी ने अपनी आत्मकथा में अपने करीब 37 साल पुराने इस आशियाने का जिक्र करते हुए कहा, ''हम 5 फरवरी, 1990 को अपने नए घर 10 जनपथ में रहने आए। राजीव के कई सहयोगियों ने उन्हें इस मकान में रहने के लिए न जाने की सलाह दी थी। उनका मानना था कि यह घर अशुभ है। हालांकि, उन्होंने इसके पीछे की वजह स्पष्ट नहीं की थी। लेकिन न तो राजीव और न ही मैं अंधविश्वासी थे, इसलिए हमने उनकी इस बात को हंसी में टाल दिया।'' उन्होंने आवास की शुरुआती स्थिति का जिक्र करते हुए लिखा कि बंगला काफी बड़ा था, लेकिन उसकी हालत जर्जर थी। हर कमरे की दीवारों पर नमी के कारण बड़े-बड़े धूसर धब्बे थे।

उनके मुताबिक, उस दौर के अन्य मकानों की तरह इस घर की भी मजबूत नींव नहीं थी। गहरे बरामदों को बंद कर दिया गया था, जिससे घर के भीतर अंधेरा और उदासी का माहौल रहता था। परिसर भी काफी बड़ा था, लेकिन उसका रखरखाव ठीक से नहीं किया गया था। सोनिया ने लिखा है कि घर की चारदीवारी सुरक्षा के लिहाज से बेहद छोटी थी और कोई भी व्यक्ति उसे आसानी से फांद सकता था। पड़ोसी ने साझा दीवार पर कंटीले तार लगाने की अनुमति देने से भी इनकार कर दिया था। उन्होंने स्वीकार किया कि राजीव गांधी की सुरक्षा को लेकर वह इतनी चिंतित रहती थीं कि कई बार उनकी चिंता लगभग जुनून की हद तक पहुंच जाती थी।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष के मुताबिक, उन्होंने कुछ मित्रों को पूरा परिसर दिखाकर बताया था कि घर सुरक्षा के लिहाज से कितना असुरक्षित है। उनका कहना है कि वह ऐसा इसलिए कर रही थीं ताकि किसी अनहोनी की स्थिति में ये लोग गवाह बन सकें।

सोनिया गांधी की किताब में आंदोलन के जिक्र पर अन्ना हजारे बोले-'मेरी आलोचना छोड़ो और देश की समस्याओं पर ध्यान दो'

अहिल्यानगर। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने रालेगण सिद्धि में मीडिया से बात करते हुए सोनिया गांधी की पुस्तक में अपने आंदोलन की आलोचना का जवाब देते हुए कहा कि वे किसी राजनीतिक दल के लिए नहीं बल्कि राष्ट्र और समाज के लिए काम करते हैं। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की किताब में अन्ना हजारे के आंदोलन का उल्लेख करते हुए की गई टिप्पणी पर अन्ना हजारे ने पलटवार किया है। सोनिया गांधी का नाम लिए बिना उन्होंने निशाना साधा और कहा, 'मेरे आंदोलन से आरएसएस और भाजपा के भी कई लोग घर चले गए थे। मैं किसी पार्टी या राजनीतिक दल के बारे में नहीं सोचता बल्कि मेरे सामने सिर्फ समाज और देश है। आप संकुचित दृष्टिकोण से काम कर रहे हैं, यह उचित नहीं है। देश के बारे में सोचिए। आज देश किस दिशा में जा रहा है और विशाल भारत की क्या स्थिति है, इस पर विचार करने की जरूरत है। कांग्रेस हो या भाजपा, मेरा किसी भी पार्टी से कोई संबंध नहीं है। मैं केवल समाज और देश के हित की बात करता हूं।' उन्होंने कहा, 'अकाल पड़ा है, आपके पास पैसों की कमी नहीं है, इसलिए ऐसे मुद्दों पर विचार कीजिए और समाज के लिए काम कीजिए। मेरी आलोचना करने के बजाय देश और समाज के सामने खड़ी समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए।'



अन्ना हजारे ने अपनी आने वाली किताब 'अण्णा हजारे ग्रामयोगी' का जिक्र करते हुए कहा कि यह पुस्तक भी पढ़नी चाहिए, इससे आपको सीख मिलेगी। मेरे बारे में कोई क्या लिखता है, मैं इसकी चिंता नहीं करता। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, 'जिस पेड़ पर फल लगते हैं, लोग उसी पेड़ पर पत्थर मारते हैं। जिस पेड़ पर फल ही नहीं होते, उस पर कोई पत्थर क्यों मारेगा?'

वर्ष 2027 में लोग फिर से 'आप' की सरकार बनाकर पंजाब के विकास की गति को जारी रखेंगे : मुख्यमंत्री भगवंत सिंह

हिन्द जनपथ

फतेहगढ़ साहिब- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जोर देकर कहा कि वर्ष 2027 में आम आदमी पार्टी की सरकार को दोबारा सत्ता में लाकर पंजाब के विकास की यात्रा को निरंतर जारी रखा जाना चाहिए। उन्होंने अपनी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, मुफ्त बिजली, स्वास्थ्य सुविधाओं, महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़ी नीतियों की तुलना कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और भाजपा की सरकारों के दशकों के कथित कुशासन एवं उपेक्षा से की।



पूरे पंजाब को अपना परिवार बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने में किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं करती। उन्होंने मुफ्त बिजली, स्वास्थ्य बीमा और महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने सहित विभिन्न जनहितकारी पहलों का उल्लेख किया। इसके साथ ही उन्होंने बिजली की तारों को भूमिगत करके पंजाब को बिजली के खंभों से मुक्त बनाने के अपने सपने को भी साझा किया। बार-बार राजनीतिक दल बदलने वाले नेताओं पर व्यंग्य करते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें 'गिरगिट' की संज्ञा दी और पंजाब के लोगों को राजनीतिक स्वार्थों के लिए अपनी निष्ठा बदलने वाले अवसरवादी नेताओं से सतर्क रहने की अपील की।

एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "हमारी सरकार के पास पंजाब का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और नेक नीयत, दोनों हैं। विकास और जनकल्याण के लिए धन की कोई कमी नहीं है। हमने पूरे राज्य में विकास कार्यों को नई गति दी है और लोगों के पूर्ण सहयोग से इस प्रगति को और तेज करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।"

पूरे राज्य को अपना परिवार बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "मेरे लिए पूरा पंजाब एक परिवार है। हमारी सरकार कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने में किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं करती। चाहे मुफ्त बिजली हो, स्वास्थ्य सेवाएं हों, महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता हो, शिक्षा हो या रोजगार, हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं और पहलों का लाभ पहुंचे।"

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने की SC/ST एक्ट के तहत दर्ज मामलों एवं पुलिस कार्रवाई की समीक्षा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज SC/ST (अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति) अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत हरियाणा पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई एवं प्रगति की समीक्षा की। बैठक में पुलिस महानिदेशक श्री अजय सिंघल ने मुख्यमंत्री को अधिनियम के तहत दर्ज मामलों, उनकी जांच, निस्तारण तथा अपराध नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी दी।



वर्ष 2026 में अपराधों में 28 प्रतिशत की कमी

डीजीपी श्री अजय सिंघल ने बताया कि हरियाणा पुलिस के प्रभावी प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्ष 2025 की तुलना में वर्ष 2026 में SC/ST एक्ट के तहत अपराधों में 28 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए पुलिस द्वारा किए जा रहे प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

जिला कल्याण अधिकारियों को समयबद्ध उपलब्ध कराई जा रही FIR की प्रतियां

डीजीपी श्री अजय सिंघल ने बताया कि SC/ST एक्ट के तहत दर्ज मामलों में संबंधित जिला कल्याण अधिकारियों को FIR की प्रतियां समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे पीड़ितों को मिलने वाली सहायता एवं राहत संबंधी प्रक्रियाओं में तेजी आई है। साथ ही, जिला कल्याण विभाग और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हुआ है, जिससे मामलों की प्रभावी निगरानी, पीड़ितों को समय पर सहायता तथा अपराधों की रोकथाम में मदद मिली है। यह व्यवस्था अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन और पीड़ितों को समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

वर्ष 2025 में SC/ST एक्ट के तहत मामलों का 98 प्रतिशत निस्तारण, समयबद्ध जांच एवं नियमित निगरानी पर विशेष जोर

इसके अतिरिक्त, डीजीपी श्री अजय सिंघल ने बताया कि वर्ष 2025 में SC/ST एक्ट के तहत दर्ज मामलों का निस्तारण दर 98 प्रतिशत रहा, जो हरियाणा पुलिस की प्रभावी कार्यप्रणाली, त्वरित जांच और मामलों की नियमित निगरानी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इन मामलों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए जिला स्तर से लेकर पुलिस मुख्यालय तक नियमित समीक्षा की जाती है। लंबित मामलों की प्रगति पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

बीड़-बिलिंग में दर्दनाक हादसा, टेंडम पैराग्लाइडिंग के दौरान पर्यटक की गिरकर मौत; पायलट पर केस दर्ज

चंडीगढ़: कांगड़ा जिले में पैराग्लाइडिंग के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर बीर-बिलिंग में मंगलवार शाम एक और दुखद हादसा हुआ। ग्रेटर नोएडा से आए 26 वर्षीय एक पर्यटक की पैराग्लाइडिंग के दौरान टैंडम पैराग्लाइडर से गिरने से मौत हो गई।

मृतक की पहचान शुभम डोबलियाल के रूप में हुई है, जो अपनी बहन और तीन चचेरे भाई-बहनों के साथ हिमाचल प्रदेश में छुट्टियां मनाने आए थे। बताया जा रहा है कि वह स्थानीय पायलट विनय कुमार के साथ टैंडम उड़ान भर रहे थे। बिलिंग से उड़ान भरने के महज छह मिनट बाद ही यह हादसा हो गया।शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, पर्यटक पैराग्लाइडर से गिरकर तय लैंडिंग ज़ोन के पास एक घने जंगल में जा गिरा। हालांकि, पायलट सुरक्षित लैंड करने में कामयाब रहा और उसने अन्य पायलटों को यात्री के गिरने की सूचना दी। इसके बाद एक सर्च ऑपरेशन चलाया गया और देर शाम जंगल से युवक का शव बरामद किया गया। कांगड़ा पुलिस ने बीर पुलिस स्टेशन में पायलट के खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला (FIR) दर्ज किया है। हादसे के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। कांगड़ा के पुलिस अधीक्षक कुलभूषण वर्मा ने बताया कि उड़ान के दौरान यात्री की सेफ्टी बेल्ट ढीली होने या टूट जाने की संभावना समेत अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि हादसे के असली कारण का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच जरूरी है। कांगड़ा के उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि प्रशासन घटना के सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रहा है।

न्यूज डायरी

प्रदेश में कानून-व्यवस्था चरमराई, अपराधियों के हौसले बुलंद और आम नागरिक की सुरक्षा खतरे में : डॉ. बिंदल

हिन्द जनपथ

शिमलाः भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने हिमाचल में लगातार सामने आ रही हत्या, गोलीबारी और अन्य आपराधिक घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के लगभग चार वर्षों के कार्यकाल में प्रदेश की कानून-व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही है और शांतिप्रिय हिमाचल प्रदेश अपराधियों की गतिविधियों के कारण क्राइम कैपिटल बनता दिखाई दे रहा है।



डॉ. बिंदल ने कहा कि पिछले चार-पांच दिनों के भीतर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सामने आई आपराधिक घटनाएं अत्यंत चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार थार गाड़ी चढ़ाकर दो लोगों की निर्मम हत्या किए जाने की घटना सामने आई, वह अपराधियों की बढ़ती बेखौफ प्रवृत्ति का उदाहरण है। नालागढ़ में सरेआम गोलीबारी की घटनाओं ने भी कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि अपराधियों के मन से कानून और पुलिस का भय समाप्त होता जा रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जिला सिरमौर में लगातार सामने आ रही हत्या की घटनाओं ने आम जनता में भय और असुरक्षा का वातावरण पैदा कर दिया है। दो दिन पूर्व नाहन-कुमारहट्टी मार्ग पर एक महिला का शव मिलने की घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। इसके बाद शिलाई क्षेत्र में मोटरसाइकिल सवार की हत्या की घटना अत्यंत हृदयविदारक है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक के सिर पर गोली मारे जाने की आशंका जताई गई है। हालांकि घटना की वास्तविक परिस्थितियां पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होंगी। डॉ. बिंदल ने कहा कि ये घटनाएं केवल कुछ दिनों की नहीं, बल्कि प्रदेश में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की गंभीर स्थिति की ओर संकेत करती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चंबा से सिरमौर और ऊना से किन्नौर तक अपराध की घटनाओं ने प्रदेश की शांतिपूर्ण पहचान को प्रभावित किया है। दलित युवक की हत्या जैसी गंभीर घटनाओं के बाद भी अपराधों का सिलसिला थमता दिखाई नहीं दे रहा है।

केएफसी इंडिया ने लॉन्च किया सॉसी ऑल न्यू कोरियन डंक्ड रेंज

हिन्द जनपथ

शिमलाः केएफसी इंडिया ने पेश की ऑल न्यू कोरियन डंक्ड रेंज जिसमें है केएफसी के सिग्नेचर क्रिस्पी चिकन के साथ बोल्ड कोरियन फ्लेवर्स। गोचुजंग हीट,टोस्टेड सीसेम और उमामी किक के साथ इसकी हर बाइट फ्लेवर में डंक्ड है क्रिस्पी चिकन,एंडलेस सॉस और बहुत सारा ड्रिप।इस नई रेंज में केएफसी का सिग्नेचर क्रंच पंची सॉस के साथ मिलेगा जो हर बाइट को फ्लेवर में ड्रिप कर देता है।तो आपका केएफसी फेवराइट चाहे जो हो पर अब आप उसका स्वाद कोरियन पंच के साथ ले सकेंगे।यह रेंज बोल्ड सॉसी कोरियन अपग्रेड के साथ केएफसी के सिग्नेचर मेन्यू आइटम्स लेकर आई है जिसमें क्लासिक जिंगर बर्गर से लेकर बोनलेस चिकन स्ट्रिप्स,ज्यूसी विंग्स और चिकन लेग पीस शामिल हैं।ऑल न्यू कोरियन डंक्ड रेंज 10 नवंबर 2026 से भारत में 1400 से अधिक केएफसी रेस्टोरेंट्स पर डाइन इन और टेक अवे के लिए उपलब्ध होगी। इसका शुरुआती मूल्य 89 रूपये है।

घुमारवीं बस स्टैंड के बाहर दर्दनाक हादसा, HRTC बस की चपेट में आने से युवक की मौत



घुमारवीं। घुमारवीं बस स्टैंड से बाहर जाने वाली सड़क पर आज दोपहर एक दर्दनाक हादसा पेश आया। जानकारी के अनुसार एक युवक HRTC बस की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि हादसा कैसे हुआ और बस चालक की लापरवाही थी या अन्य कारण जांच जारी है।

विकसित भारत की यात्रा गांवों से शुरू होनी चाहिए: कविंद्र गुप्ता

भूपिन्दर चौहान

शिमलाः राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत विकास, आत्मनिर्भरता और तकनीकी प्रगति के नए युग में प्रवेश कर रहा है तथा वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बना रहा है।

राज्यपाल आज रामपुर में ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय लवी मेले का शुभारम्भ करने के उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प केवल सरकार का लक्ष्य नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी से पूरा होने वाला राष्ट्रीय संकल्प है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत का निर्माण केवल दिल्ली से नहीं होगा, बल्कि इसकी नींव हमारे गांवों में रखी जाएगी। हमारे किसानों की समृद्धि, कारीगरों का कौशल और युवाओं का संकल्प ही इस लक्ष्य को साकार करेंगे। जब हमारे गांव समृद्ध होंगे और लोग आत्मनिर्भर बनेंगे, तभी विकसित भारत का सपना वास्तविकता में बदलेगा।

आर्थिक सशक्तिकरण के लिए केंद्र सरकार की विभिन्न पहलों का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और स्वरोजगार से जुड़ी अन्य योजनाएं कारीगरों, छोटे उद्यमियों और युवाओं को आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्रदान कर रही हैं। उन्होंने युवाओं से इन योजनाओं का लाभ उठाने और केवल रोजगार तलाशने



के बजाय रोजगार सृजित करने वाले बनने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल' अभियान पर बल देते हुए राज्यपाल ने मेले में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम एक स्थानीय उत्पाद खरीदने का विशेष आग्रह किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पाद खरीदना केवल एक व्यावसायिक गतिविधि नहीं, बल्कि कारीगरों की मेहनत का सम्मान करने और उनके परिवार की खुशहाली में योगदान देने का माध्यम है। हमारा एक छोटा-सा प्रयास किसी परिवार के जीवन में नई उम्मीद जगा सकता है।

लगभग 400 वर्ष पुराने अंतरराष्ट्रीय लवी मेले को हिमाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक बताते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह मेला केवल व्यापारिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान, सदियों पुरानी परंपराओं, पारंपरिक व्यापारिक संबंधों, आपसी विश्वास और सामाजिक सौहार्द का उत्सव है। उन्होंने कहा कि सदियों से यह मेला व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है तथा एकता, भाईचारे और साझा विरासत की भावना को सुदृढ़ करता आया है।

पंडोह में पुलिस का बड़ा एक्शन, बीयर से लदी जीप छोड़कर भागा नशा तस्कर

मंडी- पंडोह में अवैध शराब के कारोबार पर पुलिस ने आधी रात को ऐसा शिकंजा कसा कि शराब तस्कर अपना वाहन तक छोडक़र भाग निकला। मंडी-पंडोह फोरलेन पर सात मील के समीप पुलिस ने एक फोर व्हीलर से बीयर की 200 पेटियां बरामद की हैं। पुलिस की नाकाबंदी देखकर चालक ने कुछ दूरी पहले ही वाहन रोक दिया और अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन और बीयर की खेप कब्जे में लेकर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पंडोह चौकी प्रभारी राकेश कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि एक जीप के माध्यम से पंजाब ब्रांड की भारी मात्रा में बीयर ले जाई जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए चौकी प्रभारी ने पुलिस टीम के साथ मंगलवार रात करीब दो बजे मंडी-पंडोह फोरलेन पर सात मील के समीप नाकाबंदी कर दी। इसी दौरान संदिग्ध फोर व्हीलर वहां पहुंची।

सामने पुलिस टीम को देखकर चालक ने कुछ दूरी पहले ही वाहन रोक दिया। इसके बाद वह वाहन छोडक़र मौके से फरार हो गया। पुलिस टीम ने जब वाहन की तलाशी ली, तो उसके अंदर बीयर की 200 पेटियां देखकर जवान भी हैरान रह गए। पुलिस ने तुरंत वाहन और बीयर को कब्जे में लिया। मामले में एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी गई है। अब पुलिस इस बात का पता लगाने में जुटी है कि बीयर की इतनी बड़ी खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। फरार चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए भी कार्रवाई की जा रही है। मामले की पुष्टि करते हुए पुलिस अधीक्षक मंडी विनोद कुमार ने बताया कि जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार नाकाबंदी और गश्त कर रही है। अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ जिला पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

तीन दिन पहले ही संभाली थी चौकी

इस कार्रवाई की एक खास बात यह भी है कि पंडोह चौकी प्रभारी राकेश कुमार को चौकी का कार्यभार संभाले अभी महज तीन दिन ही हुए हैं। नई जिम्मेदारी संभालने के तुरंत बाद 200 पेटी बीयर की बड़ी खेप पकडऩा उनकी पहली बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

टांडा में 40 बेड का नशा मुक्ति केंद्र तैयार, जल्द भरा जाएगा स्टाफ, नशे के दलदल में फंसे युवाओं का होगा इलाज

धर्मशाला- हिमाचल प्रदेश में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को मजबूती देने के लिए डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल टांडा में 40 बिस्तरों की क्षमता वाला नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र शुरू होगा। इस केंद्र को शुरू करने में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू स्वयं दिलचस्पी ले रहे हैं। सरकार का उद्देश्य नशे की गिरफ्त में आ चुके युवाओं को बेहतर चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक परामर्श और पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध करवाना है, ताकि उन्हें नशे के दलदल से बाहर निकालकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। केंद्र को शुरू करने के लिए अस्पताल प्रबंधन की ओर से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं कर ली गई हैं। अब इसके संचालन के लिए आवश्यक स्टाफ की भर्ती की जानी है। इस संबंध में सरकार के साथ बातचीत की गई है। स्टाफ की व्यवस्था होते ही केंद्र को जल्द शुरू कर दिया जाएगा। संस्थान की ओर से केंद्र को संचालित करने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।



गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मशोबरा में प्रदेश के पहले सरकारी महिला नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र नवजीवन का शुभारंभ करते हुए टांडा मेडिकल कॉलेज में दूसरा सरकारी नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र स्थापित करने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री ने नशे की समस्या से जूझ रहे युवाओं और महिलाओं को अपराधी के बजाय उपचार एवं पुनर्वास के जरूरतमंद लोगों के रूप में देखने की बात कही थी। टांडा में यह केंद्र शुरू होने से कांगड़ा सहित आसपास के जिलों के नशे की गिरफ्त में आए लोगों को उपचार और पुनर्वास की बेहतर सुविधा मिल सकेगी। जागरूकता अभियान के तहत एंटी चिट्टा मैरॉथन राज्य भर में आयोजित करने के साथ ही अब खेलों हिमाचल, चिट्टा मुक्त हिमाचल के तहत भी 22 करोड़ से छह खेलों को छह माह तक प्रदेश में आयोजन किए जाने का श्रीगणेश धर्मशाला में 20 नवंबर को किया जाएगा।

फार्मा कंपनियों में दवा रिलीज के नियम होंगे सख्त, बीबीएन के छोटे-बड़े उद्योग भी आएंगे दायरे में

हिन्द जनपथ

शिमलाः दवाओं की गुणवत्ता को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच केंद्र सरकार ने दवा निर्माण और बैच रिलीज की प्रक्रिया में जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। अब दवा निर्माता कंपनियों को प्रत्येक बैच की रिलीज के लिए योग्य एवं अनुभवी व्यक्ति को अधिकृत करना होगा, जो निर्माण और गुणवत्ता परीक्षण से जुड़े दस्तावेजों की समीक्षा के आधार पर संबंधित बैच के मानकों के अनुरूप होने का प्रमाणपत्र जारी करेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने इसके लिए ड्रग्स रूल्स, 1945 में संशोधन का मसौदा जारी किया है। प्रस्तावित नियम लागू होने पर देश के प्रमुख फार्मा हब बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ (बीबीएन) के दवा उद्योग भी इसके दायरे में आएंगे।

नई व्यवस्था से दवा निर्माण से लेकर बैच रिलीज तक गुणवत्ता नियंत्रण, रिकॉर्ड प्रबंधन और जवाबदेही को अधिक मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है। केंद्र सरकार ने ड्रग्स रूल्स के नियम 74ए 74एए 74बीए 78 और 78ए में भी संशोधन का प्रस्ताव रखा है। इसके अलावा फॉर्म 28ई के तहत लाइसेंस से संबंधित प्रावधानों तथा रक्त उत्पादों के निर्माण के रिकॉर्ड संबंधी नियमों में बदलाव का प्रावधान किया गया है। प्रस्तावित संशोधन का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक निर्मित बैच की रिलीज से जुड़े रिकॉर्ड को निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध कराना है, ताकि गुणवत्ता या जांच की स्थिति में संबंधित बैच के निर्माण और परीक्षण की जानकारी का सत्यापन किया जा सके।

केंद्र सरकार के प्रस्तावित नियमों के अनुसार दवा निर्माता कंपनियों को प्रत्येक बैच के लिए बैच रिलीज प्रमाणपत्र तैयार करना होगा। इसमें दवा का नाम, सक्रिय औषधीय घटक और उसकी मात्रा, लाइसेंस नंबर, बैच नंबर, बैच का आकार, निर्माण एवं एक्सपायरी तिथि, निर्माण और परीक्षण स्थलों का नाम-पता, मार्केटिंग कंपनी का विवरण, इस्तेमाल किए गए उपकरणों की जानकारी, पर्यावरण निगरानी रिकॉर्ड, बैच मैन्युफैक्चरिंग और पैकेजिंग रिकॉर्ड, लाइन क्लीयरेंस, इन-प्रोसेस क्वालिटी कंट्रोल रिपोर्ट तथा विश्लेषण परिणाम सहित 21 जानकारियां दर्ज करनी होंगी। सभी संबंधित दस्तावेजों की समीक्षा के बाद अधिकृत व्यक्ति प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करेगा।

मुख्यमंत्री ने हर चुनौती को पार कर हिमाचल के हकों की रक्षा सुनिश्चित की: चंद्रशेखर

हिन्द जनपथ

धर्मपुरः धर्मपुर के विधायक चंद्रशेखर ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया है तथा इसकी पूर्ति के लिए प्रदेश सरकार लगातार ऐतिहासिक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने संसाधन सृजन, मौजूदा प्राकृतिक संसाधनों का उचित दोहन और प्रदेश हितों की रक्षा के लिए मजबूत इच्छाशक्ति का निरन्तर परिचय दिया है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के पास संसाधन के रूप में प्रमुख तौर पर जल एवं जंगल हैं, जिनसे लंबे समय से हमारे पड़ोसी राज्यों एवं देश लाभान्वित हो रहा है, लेकिन इन संसाधनों के दोहन के एवज में हिमाचल को आज तक कुछ नहीं मिला और हिमाचल अपने हकों से वंचित रहा है। उन्होंने कहा कि



वर्तमान सरकार ने ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के प्रभावी नेतृत्व में विभिन्न मंचों एवं स्तर पर हिमाचल की हकों के लिए आवाज बुलंद की और तथ्यों के आधार पर लड़ाई लड़ी जिसके परिणामस्वरूप हिमाचल के पक्ष में निर्णय आने आरंभ हुए हैं। चाहे न्यायलयों में अपने अधिकारों की रक्षा के लिए मजबूती से पक्ष रखने की बात हो या फिर राजनीतिक रूप से हिमाचल के हित की आवाजों को विभिन्न मंचों पर उठाना हो, मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की।

चंद्रशेखर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने वर्ष 2023 में अपने पहले बजट भाषण में ही हिमाचल को आत्मनिर्भर, सबसे समृद्ध तथा हरित उर्जा राज्य बनाने का लक्ष्य स्पष्ट कर दिया था। मुख्यमंत्री की हिमाचल को आत्मनिर्भर तथा समृद्धशाली राज्य बनाने की दृढ़ इच्छाशक्ति के केंद्र में गांवों की अर्थव्यवस्था को सृदृढ़ करना, महिलाओं को स्वावलम्बी बनाना, युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रेरित करना और उन्हें अधिक से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करने सहित समाज के वंचित वर्गों का कल्याण शामिल था।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जनकल्याण की दिशा में ऐसे फैसले ले रही है, जिनके दूरगामी परिणाम प्रदेश की अर्थव्यवस्था और विकास पर दिखाई देंगे। मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना, इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना, इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना तथा राजीव गांधी स्टार्ट-अप योजना आदि नवीन पहल इसी दूरदर्शी सोच का उदाहरण है।

राज्य सरकार मिल्कफेड और डेयरी सहकारी समितियों से दूध एवं दुग्ध उत्पादों की खरीद को बढ़ावा देगी

हिन्द जनपथ

शिमलाः प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि सभी सरकारी विभाग, अस्पताल, शिक्षण संस्थान, छात्रावास, कैंटीन, बोर्ड, निगम, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम तथा अन्य सरकारी संस्थान अपनी आवश्यकता के अनुसार दूध एवं दुग्ध उत्पादों की खरीद उपलब्धता के अनुसार हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (मिल्कफेड) तथा प्रदेश की अन्य डेयरी सहकारी समितियों से करेंगे।

इस पहल का उद्देश्य सहकारी डेयरी क्षेत्र को सुदृढ़ करना, हजारों पशुपालकों को दूध बेचने के लिए सुनिश्चित बाजार उपलब्ध करवाना तथा संस्थागत खरीद के माध्यम से उनकी आय में वृद्धि करना है। एचपी मिल्कफेड के अतिरिक्त चार डेयरी सहकारी समितियां भी इस पहल से लाभान्वित होंगी। इनमें कामधेनु हितकारी मंच, नम्होल, जिला बिलासपुर, गौ अमृत दुग्ध उत्पादक समिति, पपलोटा, जिला सोलन, कहलूर दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति, नम्होल, जिला बिलासपुर, तथा अमृत धारा डेयरी सहकारी समिति, दाड़लाघाट, जिला सोलन, शामिल हैं।

इस व्यवस्था से स्थानीय दुग्ध उत्पादकों को एक स्थायी संस्थागत बाजार उपलब्ध होने के साथ ही डेयरी सहकारी समितियां भी सशक्त होंगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। यह निर्णय डेयरी व्यवसाय को आजीविका के एक सतत् साधन के रूप में प्रोत्साहित करेगा और प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होगा।

मिल्कफेड प्रदेश के 11 जिलों में डेयरी विकास गतिविधियां संचालित कर रहा है। इसके माध्यम से 799 प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के जरिए दूध एकत्रित किया जा रहा है, जिनसे 55,300 दुग्ध उत्पादक जुड़े हुए हैं। प्रदेश सरकार इस व्यवसाय से जुड़े किसानों को सहयोग प्रदान करने के लिए ऐतिहासिक न्यूनतम समर्थन मूल्य उपलब्ध करवा रही है जो देश के अन्य राज्यों की तुलना में सर्वाधिक है।

राष्ट्रपति ने नगर परिषद ठियोग को किया सम्मानित, स्वच्छ सर्वेक्षण में हिमाचल प्रदेश ने बढ़ाया गौरव

भूपिन्दर चौहान

शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के दूरदर्शी मार्गदर्शन एवं नेतृत्व तथा हिमाचल प्रदेश को स्वच्छ, हरित और सतत विकास का आदर्श बनाने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के फलस्वरूप प्रदेश ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश ने देश के शीर्ष 20 शहरी स्थानीय निकायों में अपना स्थान सुनिश्चित किया है।

शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने आज नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से यह पुरस्कार प्राप्त किया। यह सम्मान विशेष महत्व रखता है, क्योंकि पहली बार प्रदेश को राष्ट्रपति की गरिमामयी उपस्थिति में यह सम्मान प्रदान किया गया है।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत शहरी स्थानीय निकायों के समग्र प्रदर्शन में सुधार लाने के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं।सरकार की केंद्रित पहलों, समन्वित प्रयासों और निरंतर निगरानी के परिणामस्वरूप नगर परिषद ठियोग हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन करने में सफल रही है।

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि शहरी विकास विभाग, शहरी विकास निदेशालय, नगर निकायों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, सफाई कर्मियों तथा नागरिकों के समर्पण और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। यह उपलब्धि शहरी स्वच्छता अधोसंरचना को सुदृढ़ करने, अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली में सुधार लाने, जनभागीदारी सुनिश्चित करने तथा स्वच्छता की टिकाऊ परंपराओं को बढ़ावा देने के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

शहरी विकास मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शहरी



स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा सभी शहरी स्थानीय निकायों को स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और जनभागीदारी के उच्च मानक स्थापित करने के लिए प्रेरित करने को प्रतिबद्ध है, ताकि आगामी स्वच्छ सर्वेक्षणों में प्रदेश और बेहतर प्रदर्शन कर सके।

स्वच्छ सर्वेक्षण भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा वर्ष 2016 में शुरू किया गया देश का वार्षिक स्वच्छता मूल्यांकन एवं रैंकिंग अभियान है। इसका उद्देश्य शहरी स्थानीय निकायों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना तथा देशभर में स्वच्छता, साफ-सफाई और सतत् अपशिष्ट प्रबंधन की बेहतर व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करना है।

स्वच्छ सर्वेक्षण के अब तक आयोजित नौ संस्करणों के दौरान हिमाचल प्रदेश ने निरंतर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है और शहरी स्वच्छता, साफ-सफाई तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में किए गए प्रयासों के लिए विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त किए हैं।

सुक्खू सरकार का बड़ा फैसला, अस्पतालों से लेकर स्कूलों तक, सभी सरकारी विभागों में पहुंचेगा मिल्कफेड दूध

शिमला। प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि सभी सरकारी विभाग, अस्पताल, शिक्षण संस्थान, छात्रावास, कैंटीन, बोर्ड, निगम, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम तथा अन्य सरकारी संस्थान अपनी आवश्यकता के अनुसार दूध एवं दुग्ध उत्पादों की खरीद उपलब्धता के अनुसार हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (मिल्कफेड) तथा प्रदेश की अन्य डेयरी सहकारी समितियों से करेंगे। इस पहल का उद्देश्य सहकारी डेयरी क्षेत्र को सुदृढ़ करना, हजारों पशुपालकों को दूध बेचने के लिए सुनिश्चित बाजार उपलब्ध करवाना तथा संस्थागत खरीद के माध्यम से उनकी आय में वृद्धि करना है। एचपी मिल्कफेड के अतिरिक्त चार डेयरी सहकारी



समितियां भी इस पहल से लाभान्वित होंगी। इनमें कामधेनु हितकारी मंच, नम्होल, जिला बिलासपुर, गौ अमृत दुग्ध उत्पादक समिति, पपलोटा, जिला सोलन, कहलूर दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति, नम्होल, जिला बिलासपुर, तथा अमृत धारा डेयरी सहकारी समिति, दाड़लाघाट, जिला सोलन, शामिल हैं।

इस व्यवस्था से स्थानीय दुग्ध उत्पादकों को एक स्थायी संस्थागत बाजार उपलब्ध होने के साथ ही डेयरी सहकारी समितियां भी सशक्त होंगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। यह निर्णय डेयरी व्यवसाय को आजीविका के एक सतत् साधन के रूप में प्रोत्साहित करेगा और प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होगा। मिल्कफेड प्रदेश के 11 जिलों में डेयरी विकास गतिविधियां संचालित कर रहा है। इसके माध्यम से 799 प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के जरिए दूध एकत्रित किया जा रहा है, जिनसे 55,300 दुग्ध उत्पादक जुड़े हुए हैं।

उत्तर भारत में बदलेगा मौसम, पंजाब-हरियाणा में हल्की बारिश के आसार; पहाड़ों पर बर्फबारी का अनुमान



हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। उत्तर भारत के मौसम में अगले दो-तीन दिनों के दौरान हल्का बदलाव देखने को मिल सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है। वहीं, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में बारिश के साथ बर्फबारी का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, 11 से 13 नवंबर के बीच इसका असर देखने को मिल सकता है।

मौसम विज्ञान केंद्र चंडीगढ़ के निदेशक एवं प्रमुख सुरेंद्र पॉल ने बताया कि अगले दो-तीन दिनों में मौसम में कुछ बदलाव आएंगे। उत्तर पंजाब और हिमाचल प्रदेश से सटे जिलों के अलावा उत्तर हरियाणा के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। हालांकि, मैदानी इलाकों में मौसम में होने वाला बदलाव सीमित रहने का अनुमान है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के कारण 13 नवंबर तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बारिश और बर्फबारी हो सकती है। 12 नवंबर को कश्मीर घाटी के कुछ स्थानों पर भारी बारिश या बर्फबारी की भी संभावना जताई गई है। इस बीच दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में 13 नवंबर के आसपास कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

RNI NO. HARHIN/2002/08034, Postal Regd. No. HR/AB/54/23-25, हिन्द जनपथ के लिए स्वामी, सम्पादक एवं प्रकाशक एकान्ति रॉय गर्ग द्वारा बूथ नंबर 437-पी, सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित एवं इम्प्रैशन प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लाट नं. 22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, पंचकूला से मुद्रित। सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र पंचकूला होगा। Mob. 9915606900 email: hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com

न्यूज डायरी

बाल दिवस पर एनआईए में बच्चों को पढ़ाया जाएगा पोषण का पाठ

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), पंचकूला में बाल दिवस के उपलक्ष्य में 14 नवंबर को पोषण जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के माध्यम से बच्चों और उनके अभिभावकों को आयुर्वेद के माध्यम से संतुलित खानपान, बेहतर पोषण और स्वस्थ जीवनशैली का पाठ पढ़ाया जाएगा।

आयुष मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में संस्थान के कुलपति प्रोफेसर डॉ. संजीव शर्मा और डीन प्रोफेसर गुलाब चंद पमनानी के मार्गदर्शन में कौमारभृत्य विभाग की ओर से आयोजित पोषण जागरूकता शिविर का उद्देश्य बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है।

एनआईए डीन इंचार्ज प्रोफेसर सतीश गंधर्व एवं डीएमएस डॉ. गौरव गर्ग के निर्देशन में आयोजित शिविर में बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में पोषण की भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

कौमारभृत्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रितेश कुमार वर्मा ने बताया कि आज के समय में बच्चों के खानपान में बदलाव और जंक फूड के बढ़ते चलन के बीच संतुलित एवं पौष्टिक भोजन की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। बचपन में अपनाई गई खानपान की अच्छी आदतें न केवल बच्चों के समुचित विकास में सहायक होती हैं, बल्कि भविष्य में उन्हें स्वस्थ जीवन जीने की दिशा भी प्रदान करती हैं।

उन्होंने बताया कि बच्चों की आयु, शारीरिक आवश्यकताओं और प्रकृति के अनुरूप खानपान अपनाना उनके विकास के लिए लाभकारी हो सकता है। शिविर के दौरान बच्चों को औषधीय गुणों से भरपूर पोषण चक्की वितरित करने के साथ उनके स्वास्थ्य की जांच की जाएगी।

कौमारभृत्य विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अपर्णा दिलीप ने बताया कि बाल दिवस पर आयोजित पोषण जागरूकता शिविर के तहत योग हॉल में क्विज और ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य और अच्छी खानपान की आदतों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

फ्ट मतदाता सूची से छूटे पात्र मतदाताओं को नाम दर्ज करवाने का मिलेगा दोबारा मौका

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सतपाल शर्मा ने आज लघु सचिवालय के सभागार में फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए मतदाताओं को पुनः अपना नाम दर्ज करवाने की सुविधा प्रदान करने के संबंध में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में उपायुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं डुप्लीकेट (ASDD) मतदाताओं से संपर्क स्थापित करने के लिए संबंधित बूथ लेवल एजेंटों (BLA) को बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) का सहयोग करने के आवश्यक निर्देश दें।

उपायुक्त ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ASDD श्रेणी में चिह्नित मतदाताओं की बूथवार सूची संबंधित मतदान केंद्रों, पंचायत भवनों एवं शहरी स्थानीय निकायों के कार्यालयों में दोबारा प्रदर्शित की जाएगी। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से इस संबंध में अपने स्तर पर भी लोगों को जागरूक करने का आग्रह किया।

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार हरियाणा में फोटोयुक्त मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 1 जुलाई 2026 को अर्हता तिथि मानकर संचालित किया जा रहा है। इसके तहत विधानसभा स्तर पर बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा 13 नवंबर से 21 नवंबर तक घर-घर जाकर मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरवाए जाएंगे, ताकि पात्र मतदाताओं के नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल किए जा सकें। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 30 नवंबर 2026 को किया जाएगा।

पुलिस कमिश्नर द्वारा आवाज़ प्रदूषण की रोकथाम संबंधी आदेश जारी

जालंधर– पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्राप्त अधिकारों का उपयोग करते हुए शोर प्रदूषण की रोकथाम के मद्देनजर पब्लिक इमरजेंसी को छोड़कर साइलेंस जोन या रिहायशी क्षेत्रों के अंदर रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक हॉर्न बजाने पर पाबंदी लगाई गई है।

माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के हवाले से पुलिस कमिश्नर द्वारा जारी आदेशों के तहत सार्वजनिक स्थानों की सीमा पर जहाँ लाउडस्पीकर या पब्लिक एड्रेस सिस्टम या कोई भी आवाज़ पैदा करने वाला स्रोत इस्तेमाल किया जा रहा है, की आवाज़ क्षेत्र के लिए निर्धारित आवाज़ के अनुसार रखने के आदेश दिए गए है। आदेशों के अनुसार कोई भी व्यक्ति रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के दौरान (सिवाय पब्लिक इमरजेंसी के) मैरिज पैलेसों और होटलों में ढोल या भोंपू, आवाज़ पैदा करने वाला कोई यंत्र, साउंड एम्पलीफायर और डीजे आदि नहीं बजाएगा। इसी तरह प्राइवेट मालिकाना हक वाले साउंड सिस्टम या आवाज़ पैदा करने वाले यंत्र का शोर का स्तर प्राइवेट जगह की सीमा क्षेत्र के लिए तय शोर मानकों से 5 डीबी(ए) से अधिक नहीं होगा। आदेशों में यह भी कहा गया है कि म्यूजिक सिस्टम वाले वाहनों के मामले में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि म्यूजिक सिस्टम के माध्यम से पैदा होने वाली आवाज़ दिन के किसी भी समय वाहन से बाहर न सुनाई दे। यदि इन आदेशों का उल्लंघन पाया जाता है तो ऐसा करने वाले साउंड सिस्टम जब्त कर लिए जाएंगे। यह आदेश दिनांक 8.1.2026 तक लागू रहेगा।

पंजाब की तकनीकी शिक्षा में ऐतिहासिक बदलाव; भगवंत मान सरकार विद्यार्थियों को कुशल बनाने के लिए दिला रही है औद्योगिक क्षेत्र का व्यावहारिक अनुभव

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भगवंत मान सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है कि आर्थिक तंगी के कारण कोई भी विद्यार्थी अपने करियर के निर्माण के लिए आवश्यक औद्योगिक अनुभव हासिल करने से वंचित न रहे। 'पंजाब शिक्षा क्रांति' के तहत सरकार द्वारा पॉलिटेक्निक विद्यार्थियों को चार महीने की औद्योगिक इंटर्नशिप के दौरान वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इससे उन्हें व्यावहारिक कौशल सीखने और भविष्य में रोजगार प्राप्त करने के लिए स्वयं को सक्षम बनाने में मदद मिलेगी।

इस पहल के तहत 1,700 विद्यार्थियों को चार महीने तक प्रतिमाह 5,000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। इसके लिए विद्यार्थियों की पारिवारिक आय की कोई सीमा निर्धारित नहीं की गई है। यह योजना छह डिप्लोमा स्ट्रीम के वर्ष 2024-27 बैच के छठे सेमेस्टर के विद्यार्थियों पर लागू होगी। इसके माध्यम से विद्यार्थी बिना किसी आर्थिक बाधा के औद्योगिक क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकेंगे।

इस संबंध में मुख्यमंत्री भगवंत



सिंह मान ने कहा, 'हर युवा को अपनी शिक्षा को एक सार्थक करियर में बदलने का अवसर मिलना चाहिए। 'पंजाब शिक्षा क्रांति' के माध्यम से हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत हैं कि सरकारी संस्थान विद्यार्थियों को केवल डिग्रियां ही प्रदान न करें, बल्कि उन्हें ऐसे कौशल और अनुभव से भी लैस करें, जो जीवन में सफलता हासिल करने के लिए आवश्यक हैं। पंजाब में पॉलिटेक्निक विद्यार्थियों के लिए शुरू की गई यह अपनी तरह की पहली पहल है। इसके माध्यम से हमारे युवाओं को उस महत्वपूर्ण समय में आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है, जब वे कक्षाओं से निकलकर कार्यक्षेत्र की दुनिया में कदम रखते हैं और अपने भविष्य का निर्माण करते हैं।'

तकनीकी शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा, 'औद्योगिक प्रशिक्षण वह महत्वपूर्ण चरण है, जहां विद्यार्थी कक्षाओं में सीखी गई जानकारी और सिद्धांतों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों पर लागू करना शुरू करते हैं। इस दौरान 20,000 रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करके हम विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव हासिल करने, औद्योगिक विशेषज्ञों से कौशल सीखने और रोजगार के लिए स्वयं को तैयार करने में सहयोग देना चाहते हैं। हमारा उद्देश्य तकनीकी शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, उद्योगोन्मुख और पंजाब के युवाओं की अपेक्षाओं के अनुरूप बनाना है।'

वित्तीय सहायता से व्यावहारिक प्रशिक्षण और करियर की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करने में मिलेगी मददः पॉलिटेक्निक विद्यार्थी

सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज, मोहाली (खूनीमाजरा) के एक विद्यार्थी ने कहा, 'यह वित्तीय सहायता मेरी औद्योगिक ट्रेनिंग के दौरान मेरे लिए बहुत बड़ा सहारा साबित होगी। इससे मुझे अपने कुछ खर्चों का प्रबंधन करने में मदद मिलेगी और मैं नए कौशल सीखने, व्यावहारिक अनुभव हासिल करने तथा यह समझने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकूंगा कि औद्योगिक क्षेत्र में कामकाज किस प्रकार होता है। मुझे विश्वास है कि यह अनुभव भविष्य में बेहतर करियर बनाने में मेरी मदद करेगा।'

पहले से अन्य छात्रवृत्तियां प्राप्त कर रहे विद्यार्थी भी ले सकेंगे प्रतिमाह 5,000 रुपये तक की सहायता

जो विद्यार्थी पहले से अपने उद्योग या किसी अन्य स्रोत से छात्रवृत्ति अथवा वित्तीय सहायता प्राप्त कर रहे हैं, वे भी इस योजना के तहत सहायता के पात्र होंगे। यदि उन्हें पहले से मिलने वाली राशि प्रतिमाह 5,000 रुपये से कम है, तो निर्धारित शर्तों के अधीन इस अंतर को पूरा करने के लिए अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी।

ह वित्तीय सहायता प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों की भागीदारी और प्रगति के आधार पर दी जाएगी।

दशम पातशाह ने अपना कलगी तोड़ा जिन भाई जैता जी को सौंपा था, और उन्हें रंगरेटा गुरु का बेटा कहकर गले लगाया था, एसजीपीसी ने उन्हें सिरे से भुला दिया : जत्थेदार बाबा कुलविंदर सिंह जी 96 करोड़ी, महापंजाब जत्थेबंदी



चण्डीगढ़ : शहीद बाबा जीवन सिंह (भाई जैता जी) के 322वें शहीदी दिवस को समर्पित धार्मिक समागम 22 नवंबर, 2026 को चमकौर साहिब में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में आज चण्डीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस वार्ता में जत्थेदार बाबा कुलविंदर सिंह जी 96 करोड़ी, महापंजाब जत्थेबंदी, सरपरस्त मनिंदर सिंह, कैप्टन चन्नण सिंह सिद्धू, मुख्य प्रचारक मनदीप सिंह विद्यार्थी व बाबा मान सिंह आदि ने उक्त जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि ये समारोह शिरोमणि जरनैल साहिबजादा बाबा जुझार सिंह तथा बाबा जीवन सिंह निहंग सिंह खालसा दल की ओर से किया जा रहा है। प्रेस वार्ता के दौरान माहौल उस समय तल्ख़ हो गया जब जत्थेदार बाबा कुलविंदर सिंह जी 96 करोड़ी, महापंजाब जत्थेबंदी ने जानकारी दी कि दशम पातशाह ने अपना कलगी तोड़ा जिन शहीद भाई जैता जी को सौंपा था, एसजीपीसी ने उन्हें सिरे से भुला दिया। उन्होंने बताया कि चमकौर की गढ़ी की लड़ाई में बाबा जीवन सिंह जी ने दशम गुरु गोबिंद सिंह जी और सिख पंथ के लिए अपना जीवन कुर्बान कर दिया था। उधर भाई मनिंदर सिंह ने भी बताया कि जान पर खेल कर चांदनी चौक से नवम पातशाह का शीश आनंदपुर साहिब तक लेकर आने वाले और दशम पातशाह के हाथों अमृत छकने वाले बाबा जीवन सिंह जी के योगदान को एसजीपीसी ने मान्यता नहीं दी। उन्होंने बताया कि दशम गुरु ने भाई जेता जी को अपने हाथों से अमृत छका कर उन्हें बाबा जीवन सिंह का नाम दिया था। वे चमकौर गढ़ी के आखिरी शहीद भी माने जाते हैं। कैप्टन चन्नण सिंह सिद्धू ने कहा कि बाबा जीवन सिंह के 322 वें शहीदी दिवस पर अब जरूरत है कि इतिहास के तथ्यों को दुरुस्त करके सिख धर्म के लिए उनके महान बलिदान को अमरता प्रदान की जाए।

श्री विश्वकर्मा पूजा महोत्सव में वार्ड पार्षद अनुराधा पुरी ने बतौर विशेष अतिथि की शिरकत, हवन यज्ञ में अर्पित की आहुतियां

पंचकूला : श्री विश्वकर्मा समाज सभा की ओर से श्री विश्वकर्मा मंदिर, सेक्टर-12, गांव रैली, पंचकूला में भगवान श्री विश्वकर्मा जी की जयंती एवं पूजा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस धार्मिक आयोजन में वार्ड पार्षद अनुराधा पुरी ने विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्री विश्वकर्मा जी के समक्ष शीश नवाकर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा हवन यज्ञ में आहुतियां अर्पित कर समस्त क्षेत्रवासियों एवं समाज की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।



इस अवसर पर अनुराधा पुरी ने कहा कि भगवान श्री विश्वकर्मा जी को सृष्टि के प्रथम शिल्पकार, निर्माण एवं वास्तुकला का देवता माना जाता है। उन्होंने अपनी अद्भुत शिल्पकला और रचनात्मक शक्ति से संसार को निर्माण एवं सृजन का संदेश दिया। भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा हमें अपने कार्य के प्रति ईमानदारी, मेहनत, लगन और समर्पण की भावना से आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। यह पर्व विशेष रूप से उन सभी कारीगरों, श्रमिकों, तकनीकी विशेषज्ञों और मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक है, जो अपने हुनर और परिश्रम से समाज एवं राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति और परंपराओं में धार्मिक आयोजनों का विशेष महत्व है। ऐसे कार्यक्रम न केवल हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखते हैं, बल्कि समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर आपसी प्रेम, भाईचारे, एकता और सद्भाव को भी मजबूत करते हैं। हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों को भी अपने धर्म, संस्कृति और परंपराओं से जोड़कर रखना चाहिए।

अनुराधा पुरी ने श्री विश्वकर्मा समाज सभा (रजि.) के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों का विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित करने तथा उन्हें स्नेहपूर्ण सम्मान देने के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

पंजाब में 'जनगणना 2027 – चरण-2' का आगाजः प्रचार एवं जागरूकता अभियान के लिए 9 डिजिटल एलईडी वैनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पंजाब में 1 दिसंबर, 2026 से 4 जनवरी, 2027 तक चलेगी जनगणना का दूसरा चरण

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। जनगणना 2027 के दूसरे चरण के प्रचार एवं जागरूकता अभियान के तहत आज 11 नवंबर, 2026 को सुबह 11 बजे जनगणना संचालन निदेशालय, पंजाब, चंडीगढ़ के कार्यालय से 9 डिजिटल एलईडी वैनों को निदेशक डॉ. नवजोत खोसा ने औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वैनों पर जनगणना से संबंधित विभिन्न जागरूकता संदेश प्रदर्शित किए गए हैं। साथ ही, इनमें क्यूआर कोड भी उपलब्ध करवाए गए हैं, जो नागरिकों को सीधे आधिकारिक 'नेशनल सेंसस पोर्टल' से जोड़ेंगे। इसके माध्यम से नागरिक स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे।

इस अवसर पर निदेशालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

ये डिजिटल वैन संबंधित जिलों के प्रमुख कस्बों, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों, बाजारों तथा अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों को कवर करेंगी, जहां आम लोगों की आवाजाही अधिक रहती है।

इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य जनगणना 2027, स्व-गणना तथा जनसंख्या गणना के महत्व के बारे में आम जनता को व्यापक स्तर पर जागरूक करना और इस राष्ट्रीय अभियान में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। इसके लिए ऑडियो-वीडियो माध्यमों के जरिए जनगणना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों का प्रसार किया जाएगा।



डिजिटल वैनों की सुचारु आवाजाही, स्थानीय स्तर पर बेहतर तालमेल और प्रचार गतिविधियों के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक वैन के साथ संबंधित जिले से एक नामित एस्कॉर्ट अधिकारी तैनात रहेगा। उपायुक्त-कम-प्रधान जनगणना अधिकारियों ने डिजिटल वैनों के विस्तृत रूट प्लान को अंतिम रूप दे दिया है। इसके अतिरिक्त, प्रचार संबंधी होर्डिंग लगाने के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान कर ली गई है तथा नोडल अधिकारी (प्रचार) के अद्यतन विवरण भी निदेशालय को उपलब्ध करवा दिए गए हैं।

पंजाब में जनगणना का कार्यक्रम एवं समय-सीमा

जनगणना 2027 का आयोजन दो चरणों में किया जा रहा है। इसका पहला चरण, जिसमें मकानों की सूची तैयार करने और आवास संबंधी गणना का कार्य शामिल था, सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है।

पंजाब में जनगणना का दूसरा चरण 1 दिसंबर, 2026 से 4 जनवरी, 2027 तक संचालित किया जाएगा। इसके लिए संदर्भ तिथि 5 जनवरी, 2027 की रात 12 बजे निर्धारित की गई है। इससे पहले 16 नवंबर से 30 नवंबर, 2026 तक नागरिकों को स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

नागरिक जनगणना से संबंधित 40 सवालों के जवाब स्वयं ऑनलाइन भरने के लिए आधिकारिक पोर्टल se.censusgov.in पर लॉग-इन कर सकते हैं।

स्व-गणना के लिए यह पोर्टल 30 नवंबर, 2026 को बंद हो जाएगा।

किसानों से धान का एक-एक दाना खरीदा और उठाया जाएगा, किसी भी किसान को कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगीः मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार किसानों से धान का एक-एक दाना खरीदने और उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है, ताकि मौजूदा खरीद सीजन के दौरान किसी भी किसान को कोई दिक्कत न हो। अब तक 177 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद के साथ, पंजाब ने एक बार फिर आसान और बिना रुकावट खरीद का एक नया बेंचमार्क बनाया है। नहर के पानी की लगातार सप्लाई के असर के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे ग्राउंड वॉटर का इस्तेमाल कम हुआ है और प्रति एकड़ पैदावार में 4-5 क्विंटल की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने आगे कहा कि किसानों, आढ़तियों, राइस मिलर्स, ट्रांसपोर्टर्स और मजदूरों की संतुष्टि पूरे खरीद प्रोसेस के अच्छे तालमेल और कुशलता को दिखाती है।

यहां एक रिव्यू मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "पंजाब एक बार फिर देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में अपनी ऐतिहासिक भूमिका निभाने के लिए तैयार है। पंजाब के किसानों की अथक कोशिशों और राज्य सरकार द्वारा नहर के पानी की लगातार उपलब्धता के कारण, धान की पैदावार प्रति एकड़ 4-5 क्विंटल बढ़ गई है।"

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'इस बंपर पैदावार ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि देश को अनाज प्रोडक्शन में आत्मनिर्भर बनाने में पंजाब का अहम योगदान है। हमारे किसानों ने दिन-रात मेहनत की है और राज्य सरकार ने यह पक्का किया है कि उनकी फसलों को नहर का पूरा पानी मिले।'

उन्होंने कहा, 'जहां भी धान आया है, उसे बिना किसी देरी के खरीदा गया है, जिससे किसानों को बहुत राहत मिली है। मैंने आढ़तिया एसोसिएशन, राइस मिलर्स एसोसिएशन, किसानों, ट्रांसपोर्टरों और मजदूरों के प्रतिनिधियों से डिटेल में बातचीत की है। यह बहुत खुशी की बात है कि सभी खुश हैं और किसी को कोई दिक्कत नहीं हो रही है। पूरी खरीद प्रक्रिया सभी स्टेकहोल्डर्स के बीच बेहतरीन तालमेल, आपसी समझ और भरोसे के साथ आसानी से चल रही है।'

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि फसल की अच्छी पैदावार राज्य सरकार की खेती के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और सिंचाई की पर्याप्त सुविधाएं सुनिश्चित करने की कोशिशों का साकारात्मक प्रभाव दिखाती है। उन्होंने कहा, 'नहर का पानी इस सुधार के पीछे सबसे बड़े कारणों में से एक है। यह फसलों के लिए देसी घी जैसा है क्योंकि यह जरूरी पोषक तत्व और गाद लाता है जो मिट्टी को उपजाऊ बनाते हैं। मुझे उम्मीद है कि आने वाले सालों में पंजाब की जमीन की उपजाऊ क्षमता और बेहतर होगी।'

मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती एवं राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-15 पंचकूला में कानूनी एवं संवैधानिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हिन्द जनपथ

पंचकूला(ब्यूरो)। भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री, महान स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रख्यात शिक्षाविद् मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के उपलक्ष्य में 11 नवंबर को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-15, पंचकूला में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला के तत्वावधान में कानूनी एवं संवैधानिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2008 में 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की गई थी। इसका उद्देश्य मौलाना अबुल कलाम आजाद के शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को स्मरण करने के साथ-साथ समाज में शिक्षा के महत्व, समान अवसरों, साक्षरता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। मौलाना आजाद ने शिक्षा को राष्ट्र निर्माण, सामाजिक परिवर्तन और प्रगतिशील समाज की आधारशिला माना था। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए विद्यालय में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, ताकि विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ अपने संवैधानिक अधिकारों, कर्तव्यों और कानूनी प्रावधानों के प्रति भी जागरूक बन सकें।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती पूनम बीरवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान प्राप्त करना अथवा परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करना नहीं है, बल्कि शिक्षा को समझ के साथ ग्रहण करना और उसे अपने जीवन में व्यावहारिक रूप से अपनाना है। उन्होंने कहा कि वास्तविक शिक्षा वही है जो व्यक्ति को विवेकशील, जिम्मेदार, संवेदनशील और जागरूक नागरिक बनाए। विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व को समझते हुए अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विद्यालय के लेक्चरर श्री जयवीर रंगा ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ संवैधानिक मूल्यों के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत में प्रत्येक संस्था और संगठन संवैधानिक एवं कानूनी व्यवस्था के दायरे में कार्य करता है। संविधान केवल शासन व्यवस्था का दस्तावेज नहीं, बल्कि सामाजिक जीवन, संस्थागत कार्यप्रणाली, समानता, न्याय और नागरिक उत्तरदायित्व का आधार है।

पंचकूला में 15 नवंबर को होगा श्री कृष्ण कृपा धाम का भव्य शिलान्यास समारोह, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रखेंगे आधारशिला

पंचकूला : श्री कृष्ण कृपा परिवार पंचकूला ट्रस्ट द्वारा रविवार, 15 नवंबर 2026 को सेक्टर-27, पंचकूला में हर्बल पार्क के सामने श्री कृष्ण कृपा धाम का भव्य शिलान्यास समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे और धाम की आधारशिला रखेंगे।

यह भव्य धार्मिक आयोजन परम पूज्य गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के पावन सान्निध्य एवं आशीर्वाद में संपन्न होगा। समारोह में श्री श्री 108 स्वामी संपूर्णानंद जी महाराज तथा पूज्य साध्वी डॉ. अमृता दीदी का भी पावन सान्निध्य प्राप्त होगा।

कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के मंत्री कृष्ण बेदी, गौरव गौतम, राज्यसभा सांसद कार्तिक शर्मा तथा कालका की विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त विशिष्ट अतिथियों में पंचकूला के महापौर श्याम लाल बंसल, मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी, भोपाल खदरी, ओम प्रकाश देवी नगर, श्रीमती बंतो कटारिया, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, पूर्व महापौर कुलभूषण गोयल तथा श्रीमती उपिंदर आहूजा ललिया सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि श्री कृष्ण कृपा धाम की स्थापना का उद्देश्य भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य संदेश एवं श्रीमद्भगवद्गीता के ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाना है। यह धाम धार्मिक गतिविधियों के साथ-साथ सत्संग, सेवा, सुमिरन, योग, ध्यान और आध्यात्मिक जागरूकता का प्रमुख केंद्र बनेगा। इसके माध्यम से युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का विशेष प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने अधिकारियों को छठ पूजा के श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करने के आदेश दिए

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज सिविल और पुलिस प्रशासन को आगामी पवित्र त्योहार छठ पूजा के लिए राज्य भर में चिन्हित किए गए सभी 104 स्थानों पर व्यापक और पुख्ता प्रबंध करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा और सुविधा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को तैयारियां समय पर पूरी करने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि श्रद्धालु पूर्ण धार्मिक श्रद्धा, उत्साह और शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार मनाएं।

इस दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "छठ पूजा अपार श्रद्धा, भक्ति और सांस्कृतिक महत्व का एक महत्वपूर्ण अवसर है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि श्रद्धालु इस पवित्र त्योहार को पूर्ण धार्मिक श्रद्धा, उत्साह और शांति के साथ मना सकें। प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा और सुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी को भी किसी प्रकार की परेशानी न हो।"



मुख्यमंत्री ने बताया, "पंजाब भर में 104 स्थानों की पहचान की गई है, जहां छठ पूजा मनाई जाएगी। सभी आवश्यक प्रबंध समय पर पूरे किए जाने चाहिए। श्रद्धालुओं, विशेष रूप से महिलाओं और बुजुर्गों को सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध करवाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जानी चाहिए, जो अपार श्रद्धा और भक्ति के साथ ये धार्मिक रस्में निभाते हैं।"

प्रशासन को सभी चिन्हित स्थानों पर उचित प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "जहां भी आवश्यकता हो, निर्धारित जल स्रोतों में ताजा पानी डाला जाए। बड़े शहरों में उचित घाटों का निर्माण और विकास किया जाए, ताकि श्रद्धालु अपनी धार्मिक रस्में सुरक्षित और सुविधाजनक ढंग से निभा सकें। सभी चिन्हित स्थानों पर सफाई के विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए तथा वहां रोशनी और अन्य उचित प्रबंध भी सुनिश्चित किए जाएं।"

उन्होंने आगे कहा, "अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की ड्यूटियां समय पर लगाई जानी चाहिए, जिनमें उनकी जिम्मेदारियां और जवाबदेही स्पष्ट रूप से तय हो। त्योहार को सुचारू और बिना किसी परेशानी के संपन्न करवाने के लिए प्रत्येक विभाग को आपसी तालमेल के साथ काम करना चाहिए।" जल स्रोतों के निकट धार्मिक रस्में निभाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "जहां भी श्रद्धालु जल स्रोतों के निकट एकत्रित होते हैं, वहां बचाव के लिए पर्याप्त संख्या में लाइफगार्ड तैनात किए जाएं। लोगों को नियंत्रित रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए उचित बैरिकेडिंग, रस्सियों के प्रबंध, पब्लिक एड्रेस सिस्टम और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती भी सुनिश्चित की जाए।"

'गैंगस्टरां ते वार' अभियान का 295वां दिन: पंजाब पुलिस ने 528 ठिकानों पर की छापेमारी; 176 काबू

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'गैंगस्टरां ते वार' अभियान के 295वें दिन पंजाब पुलिस ने आज राज्यभर में गैंगस्टरों के सहयोगियों के रूप में चिह्नित और मैप किए गए 528 ठिकानों पर व्यापक छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए 'गैंगस्टरां ते वार' एक मह

संपादकीय

तथ्यों पर क्यों उठे सवाल?

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी एक रिपोर्ट 'मानवाधिकारों की रक्षा के लिए संगठित अपराध और आतंकवाद में अंतर' में कुख्यात दाऊद इब्राहिम की 'डी-कंपनी' को 'भारत-स्थित' बताया गया।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र को ऐसी पंचायत के रूप में जाना जाता रहा है, जहां दुनिया भर के विवादों पर चर्चा होती है, अलग-अलग देश अपनी शिकायतों और समस्याओं को साझा करते हैं और वहां से हल का रास्ता निकलने की उम्मीद की जाती है। मगर पिछले कुछ सालों से वैश्विक स्तर पर युद्ध रोकने, खत्म करने या अन्य कई मसलों को सुलझाने के संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका जिस स्तर पर कमजोर होती दिखी है, उससे यह सवाल उठा है कि क्या इस संगठन को फिर से अपनी नीतियों और दृष्टिकोण को स्पष्ट करने की जरूरत है।विडंबना यह है कि कई बार उसकी कुछ रिपोर्ट को तैयार करते हुए विचित्र लापरवाही बरती जाती है, जिसमें दर्ज ब्योरे न केवल सवालों के कठघरे में होते हैं, बल्कि उससे उसकी छवि पर भी विपरीत असर पड़ता है। गौरतलब है कि हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी एक रिपोर्ट 'मानवाधिकारों की रक्षा के लिए संगठित अपराध और आतंकवाद में अंतर' में कुख्यात दाऊद इब्राहिम की 'डी-कंपनी' को 'भारत-स्थित' बताया गया।जबकि भारत को कठघरे में खड़ी करने वाली इस रिपोर्ट में जो कहा गया, उसका तथ्यों से कोई लेना-देना नहीं है। सच यह है कि दाऊद इब्राहिम को जब 2003 में संयुक्त राष्ट्र ने प्रतिबंध सूची में शामिल किया था, उससे काफी पहले ही वह भारत छोड़ चुका था। आमतौर पर संयुक्त राष्ट्र की ओर से आई बातों के आधार पर वैश्विक स्तर पर राय बनती है और फिर कई बार उसी के मुताबिक कूटनीतिक समीकरण तय होते हैं।इसलिए भारत ने उचित ही इस रिपोर्ट पर सख्त आपत्ति दर्ज की और इसे तथ्यात्मक रूप से गलत बताते हुए यह चेतावनी भी दी कि इस तरह की लापरवाही से संयुक्त राष्ट्र की छवि और साख को भारी नुकसान पहुंच सकता है। भारत ने पाकिस्तान की ओर संकेत करते हुए यह भी बताया कि दाऊद इब्राहिम का ठिकाना भी वहीं है, जहां अल-कायदा के नेता ओसामा बिन लादेन का पता चला था और उसे मार गिराया गया था।यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अगर आज की तारीख में संयुक्त राष्ट्र में किसी संवेदनशील मसले पर तथ्यों से परे जाकर गलतबयानी की जाती है, तो इससे आखिर नुकसान खुद इस संगठन को ही होता है।

भैया दूज: रिश्तों की मिठास से संस्कारों के संरक्षण तक

(ललित गर्ग)

आज के बदलते सामाजिक परिवेश में इस संदेश की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। परिवार छोटे हो रहे हैं, जीवन की गति तेज हो रही है और डिजिटल दुनिया ने संवाद के अनेक रास्ते तो खोले हैं, लेकिन दिलों के बीच की दूरी कई बार बढ़ा दी है। रिश्ते कभी-कभी संदेशों और इमोजी तक सिमट जाते हैं।



भारतीय संस्कृति में पर्व केवल कैलेंडर की तारीखें नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों को पुनर्जीवित करने के अवसर हैं। हर त्योहार के पीछे कोई न कोई सामाजिक, पारिवारिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदेश छिपा है। दीपावली के पंचपर्वों की श्रृंखला में आने वाला भैया दूज भी ऐसा ही आत्मीय पर्व है, जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को स्नेह, विश्वास, सुरक्षा और कर्तव्य की डोर से बांधता है। यह पर्व मानो रिश्तों की सूखी धरती पर संवेदनाओं की फुहार है, जो मनुष्य को याद दिलाता है कि जीवन की सबसे बड़ी पूंजी धन नहीं, बल्कि अपनेपन का भाव है। भैया दूज कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाया जाता है। बहन भाई के मस्तक पर तिलक लगाती है, आरती करती है, उसके सुख, स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगल की कामना करती है तथा भाई अपनी बहन के प्रति स्नेह और संरक्षण का संकल्प व्यक्त करता है। देखने में यह परंपरा जितनी सरल है, उसका भावार्थ उतना ही व्यापक है। यह केवल एक भाई और एक बहन का रिश्ता नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में परस्पर सम्मान, सहयोग, करुणा और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने का सांस्कृतिक विधान है।

पौराणिक कथा में यमराज और यमुना का प्रसंग इस पर्व की आत्मा को उजागर करता है। यमुना ने अपने भाई यमराज को प्रेमपूर्वक अपने घर आमंत्रित किया। यमराज ने बहन के स्नेह को स्वीकार किया और उसके आतिथ्य से प्रसन्न होकर वरदान दिया। तभी से यह दिन यम द्वितीया के रूप में भी प्रतिष्ठित हुआ। कथा का वास्तविक संदेश चमत्कार में नहीं, रिश्ते निभाने की संवेदना में है। बहन का प्रेम और भाई का उत्तरदायित्व मिलकर उस विश्वास को जन्म देते हैं, जिसमें जीवन की कठिनाइयों के सामने मनुष्य अकेला नहीं पड़ता। हमारे पूर्वजों ने रिश्तों को केवल रक्त संबंधों तक सीमित नहीं रखा था। उन्होंने उनमें कर्तव्य और मर्यादा का भाव जोड़ा। इसीलिए भैया दूज हमें यह सिखाता है कि बहन के प्रति भाई का दायित्व केवल उपहार देना नहीं, बल्कि उसके सम्मान, सुरक्षा और स्वाभिमान के प्रति सजग रहना है। इसी तरह बहन का स्नेह केवल तिलक तक सीमित नहीं, बल्कि भाई के जीवन में सद्भाव, संयम और सदाचार की कामना से जुड़ा है। आज के बदलते सामाजिक परिवेश में इस संदेश की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। परिवार छोटे हो रहे हैं, जीवन की गति तेज हो रही है और डिजिटल दुनिया ने संवाद के अनेक रास्ते तो खोले हैं, लेकिन दिलों के बीच की दूरी कई बार बढ़ा दी है। रिश्ते कभी-कभी संदेशों और इमोजी तक सिमट जाते हैं। ऐसे समय में भैया दूज हमें रिश्तों को औपचारिकता नहीं, आत्मीयता से जीने की सीख देता है। दुर्भाग्य से पर्वों के साथ प्रदर्शन और बाजारवाद का प्रभाव भी बढ़ा है। महंगे उपहार, दिखावटी आयोजन और सामाजिक प्रतिस्पर्धा ने कई बार त्योहार की आत्मा को पीछे धकेल दिया है। चमक-दमक से दीप जल सकता है, लेकिन रिश्तों में उजाला प्रेम से ही आता है। भैया दूज का अर्थ जेब की क्षमता नहीं, हृदय की समृद्धि है। बहन को कितना महंगा उपहार मिला, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि भाई ने उसकी बात कितनी सुनी, उसके सम्मान के लिए कितना खड़ा रहा और कठिन समय में उसका हाथ कितनी मजबूती से थामा।

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में यह पर्व अलग-अलग लोकपरंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इसे भाई दूज, कहीं भाई बीज और कहीं यम द्वितीया कहा जाता है। महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार सहित अनेक क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट रस्में हैं। इन विविधताओं में भारतीय संस्कृति की खूबसूरती दिखाई देती है। कोस-कोस पर पानी बदले, चार कोस पर बानी वाली इस भूमि में परंपराएं भले बदल जाएं, लेकिन उनके मूल में छिपा प्रेम और आत्मीयता का भाव एक ही रहता है। भैया दूज का एक और व्यापक संदेश है-स्त्री के सम्मान का। यदि भाई बहन की रक्षा का संकल्प लेता है तो यह भावना समाज की प्रत्येक बेटी और प्रत्येक महिला के सम्मान तक विस्तार पाती है। बहन के प्रति सम्मान का अर्थ तभी सार्थक है, जब वही दृष्टि हम हर स्त्री के प्रति रखें। घर की बहन सुरक्षित हो और समाज की बेटी असुरक्षित-यह विरोधाभास हमारी संस्कृति की आत्मा के अनुकूल नहीं हो सकता। आज जब भारत विकसित भारत और विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। सभ्यता की ऊंचाई इमारतों से नहीं, मनुष्यता की ऊंचाई से मापी जाती है। यदि परिवारों में संस्कार, समाज में संवेदना और जीवन में नैतिकता मजबूत होगी, तभी विकास स्थायी और सार्थक बनेगा। भैया दूज जैसे पर्व इसी सांस्कृतिक पूंजी को सुरक्षित रखने का माध्यम हैं। इस पर्व का संदेश सीमाओं पर देश की रक्षा करने वाले सैनिक भाइयों तक भी पहुंचना चाहिए। कितनी ही बहनें ऐसी हैं जिनके भाई त्योहार के दिन भी मातृभूमि की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। उनके लिए बहन की प्रार्थना और देशवासियों का सम्मान ही सबसे बड़ा तिलक है। वास्तव में भैया दूज का प्रेम तभी व्यापक होगा, जब वह अपने भाई से आगे बढ़कर हर उस व्यक्ति के प्रति संवेदना बने जो परिवार, समाज और राष्ट्र की रक्षा में अपना जीवन समर्पित कर रहा है।

भारतीय संस्कृति ने नारी को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं माना। हमारे यहां यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः की भावना रही है। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने ज्ञान की परंपरा में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई। रानी लक्ष्मीबाई ने रणभूमि में अद्भुत शौर्य का परिचय दिया। अहिल्याबाई होल्कर ने शासन और लोककल्याण का आदर्श स्थापित किया। सावित्रीबाई फुले ने स्त्री-शिक्षा की मशाल जलाई। आधुनिक भारत में कल्पना चावला से लेकर अनेक महिला वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष यात्रियों तक ने यह सिद्ध किया कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। इसलिए बहन-भाई से जुड़े भैया दूज पर्व को अतीत की स्मृति और वर्तमान की चेतना के बीच एक सेतु बनाना होगा। हमारी संस्कृति का संरक्षण तभी सार्थक है जब वह जीवन को आगे बढ़ाए, उसे पीछे न खींचे। परंपरा वह नहीं जो केवल दोहराई जाए, परंपरा वह है जो समय के साथ नए अर्थ पैदा करे। भैया दूज का आध्यात्मिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। संसार में सबसे बड़ी असुरक्षा बाहरी नहीं, भीतर की है। भय, क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष मनुष्य की आत्मिक शांति को कमजोर करते हैं। जैन दर्शन की दृष्टि से देखें तो वास्तविक सुरक्षा बाहरी कवच से नहीं, आत्मसंयम और आत्मजागरण से होती है। जब मनुष्य अपने भीतर के विकारों से स्वयं की रक्षा करना सीख जाता है, तभी वह दूसरों के लिए भी सुरक्षा और शांति का माध्यम बनता है। इस दृष्टि से भैया दूज का ऐतिहासिक पर्व भाई-बहन के पवित्र एवं पावन रिश्ते को एक नया विश्वास एवं सौहार्द का शिखर देने का पर्व है। भैया दूज हमें अंततः यही सिखाता है कि रिश्ते मांगने से नहीं, निभाने से मजबूत होते हैं। **(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

सांसों में घुलता जहर और बढ़ता शोर, पर्यावरण बचाने की जिम्मेदारी किसकी

(अनुपमा तिवाड़ी)

एक भारतीय शहर का दो हिस्सों में बंटा हुआ दृश्य, जहां बाईं ओर 50 डिग्री तापमान वाली भीषण गर्मी, सूखी सड़कें और धूप दिख रही है, वहीं दाईं ओर मूसलाधार बारिश, जलभराव और ट्रैफिक जाम दिखाई दे रहा है। नीचे बाईं ओर सफेद रंग में शहरी संकट लिखा है। अनियंत्रित शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन के कारण भारत के महानगर भीषण हीटवेव और अर्बन फ्लडिंग के चक्रव्यूह में फंस चुके हैं। यों तो आज के समय में पर्यावरण का मुद्दा हम सभी के लिए कोई नया नहीं है और कमोबेश सभी लोग इससे किसी न किसी रूप में प्रभावित हैं और फिक्रमंद भी हैं। देश-दुनिया में बढ़ते शहरीकरण से वृक्षों की अंधाधुंध कटाई और विशाल जंगलों के सफाए, बढ़ते कल-कारखानों से निकलते धुएं और अपशिष्ट से धरती का वातावरण गहरे तक प्रभावित हुआ है। इसके दुष्परिणाम आज हम सभी के सामने हैं। हम सब लगातार इसकी जद में हैं और आज हालत यह है कि इसके नतीजों की वजह से कई शहरों में हवा तक सांस लेने योग्य नहीं रह गई है। पर्व-त्योहारों में क्या हालत हो जाती है, यह किसी से छिपा नहीं है। दिवाली के मौके पर और उसके बाद कई दिनों तक दिल्ली सहित सभी शहरों और महानगरों के आम लोग वायु और ध्वनि प्रदूषण की जकड़न में कराहने लगते हैं। विडंबना यह है कि इसका कारण जानने-समझने वाले लोग भी हवा में जहर घोलने की गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाते हैं। भागदौड़ की इस जिंदगी में प्रदूषण और शोर के



कोलाहल से दूर अब एक बड़ा शहरी तबका शुद्ध हवा के लिए प्राकृतिक स्थानों और जंगलों की ओर जाने लगा है। खासतौर पर ठंड की शुरुआत के बीच जब हवा में प्रदूषक तत्त्व ज्यादा घनीभूत होने लगते हैं, तो लोग आजकल पहाड़ी स्थानों का रुख करने लगे हैं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि दिल्ली का ध्वनि प्रदूषण (शोर) सूचकांक 64 से 82 और जयपुर का ध्वनि प्रदूषण 80 डेसिबल तक पहुंच गया है। कल-कारखानों और फैक्ट्रियों से निकले पानी का सही निकास नहीं होने से पीने का पानी दूषित होना भी अब आम बात है।

मुश्किल यह है कि ध्वनि प्रदूषण को एक बड़ा तबका अब भी प्रदूषण मानने को तैयार नहीं है। हाल ही में उत्तर प्रदेश में गणेश विसर्जन के दौरान तेज डीजे के शोर से एक बच्ची की मौत हो गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन के नियमों के मुताबिक दिन का ट्रैफिक शोर 53 और रात का 45 डेसीबल अधिकतम होना चाहिए। मगर हालत यह है कि हर साल विशेष अवसरों पर पटाखों की आवाज और वायु प्रदूषण बढ़ने से अस्थमा के रोगियों, छोटे बच्चों, बुजुर्गों, बीमारों और जानवरों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ध्वनि प्रदूषण से कान की नसों और तंत्रिकाओं को नुकसान होता है, जो फिर कभी ठीक नहीं हो पाता।

कभी-कभी सार्वजनिक परिवहन में यात्रा करते समय हम पाते हैं कि बहुत से यात्री ऊंची आवाज में किसी से बात कर रहे होते हैं। कोई अपने मोबाइल फोन पर तेज आवाज के साथ फिल्म देख रहा होता है, तो कोई गाने सुन रहा होता है। सबके फोन अपना-अपना राग अलापते लगते हैं। इसमें बहुत सारी आवाजें गड्डमड्ड हो जाती हैं और हम सिवाय शोर के कुछ नहीं सुन पाते। ऐसे में लगता है कि अभी हमें सिविक सेंस यानी नागरिक चेतना पर भी बहुत काम करने की जरूरत है। पटाखे बनाने वाली और कपड़ों की रंगाई करने वाले तमाम कारखाने निर्धारित नियमों को ताक पर रखकर चलते रहते हैं। प्रशासन जब-तब छापेमारी करता है, आर्थिक दंड लगाता है, फैक्ट्रियों को सील करता है, लेकिन हम नियमों की लगातार धज्जियां उड़ते देख सकते हैं। कुछ शहरों में कूड़े के लिए स्वच्छता वाहन घर-घर से कूड़ा संग्रहण का काम करते हैं, लेकिन उनकी पहुंच और उनके अपर्याप्त होने का भी बड़ा संकट है। कूड़े का सही तरह से निष्पादन नहीं हो पाने के कारण शहर से बाहर कूड़े के पहाड़ बन जाते हैं। यहां-वहां, फुटपाथ, पार्कों, खाली भूखंडों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर हम कूड़ा पसरा हुआ देख सकते हैं। इससे वायु और जल प्रदूषण बढ़ जाता है। मौजूदा समय में ऑनलाइन खरीदारी का चलन बढ़ा है, जिसकी पैकिंग में बहुत सारा प्लास्टिक, कागज और गत्ते को काम में लिया जाता है। एक बार सुविधा शुरू हो जाने के बाद उसे बंद करना मुश्किल हो जाता है, लेकिन उसके विकल्प खोज कर उसके दुष्प्रभावों को कम जरूर किया जा सकता है।

विशेष अवसरों पर पटाखे, देवी-देवताओं की मूर्तियों के विसर्जन की परंपराओं का निर्वहन करते हुए मुट्ठी भर विकल्प खोजे गए हैं। हाल ही में मुंबई में कई जगह गणेश प्रतिमा मिट्टी की बनाई गई, जिससे वह विसर्जन के बाद पानी में घुल जाए और पानी दूषित न हो। समय-समय पर कुछ जागरूक संस्थाओं और युवाओं के समूह सफाई अभियान चलाकर नदियों, झीलों, तालाबों और फुटपाथों पर सफाई का काम मिलजुलकर करते हैं। अब राखियां इस तरह की बनाई जाने लगी हैं, जिनमें बीज लगे होते हैं और उसके उपयोग के बाद बीज से एक पौधा उग आता है। बीज और पौधे उपहार में देने का चलन बढ़ा है।

वर्ग पहेली 6270

1	2		3	■	4	■	5
6		■	7	8		9	
	■	10			■	11	
12	13	■		■	14	■	
15		■	16	17	■	18	■
■	■	■	19		20		
21	22	23		■	24		■
25			■	26		■	■

संकेत: बाएं से दाएं
1. आजाद हिंद फौज की स्थापना यहां की गई थी (4)
6. दो बार उतनी ही, दुगुना, दोगुना (2)
7. विकास संबंधी काम (5)
10. संदेह, शक, खटका, भय (3)
11. भाग्य को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
12. स्वेच्छा से दिया जाने वाला धन (2)
14. गेंहू की तरह एक प्रसिद्ध अन्न जिससे मदिरा निर्माण भी होता है (1)
15. आंसू, नेत्र-जल, पानी (2)
16. आवाज, शब्द, शोरगुल (2)
19. कृतज्ञता, धन्यवाद, शुक्रिया (5)
21. एक जैसी सूरत या शक्ल वाले, एकरूप, समाकार (4)
24. आपस में गुंथी हुई चीजों का विस्तृत रूप जो एक जालीदार रचना बनाती है (2)
25. हिंदी साहित्य में एक अलंकार जिसमें एक ही शब्द बार-आकर उसका भिन्न-भिन अर्थ देता है (3)
26. पृथ्वी, धरती (2)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. सिंदूर रखने की डिबिया (5)
2. गीत प्रस्तुत करने की क्रिया, कविता (2)
3. ये मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री थे (7)
4. विशिष्ट, विशेष रूप से (2)
5. कार्य करने वाला (4)
8. पिता का भाई (2)
9. वक्त, समय (2)
13. वह प्राणी जो पुरूष जाति का हो (2)
17. कुटिल, टेढ़ा, तिरछा (2)
18. शक्तिमत्ता, सामर्थ्य, हिम्मत (3)
20. निर्वाह हेतु दी जाने वाली आर्थिक मदद, गुजर, निर्वाह (3)
21. घोड़ा, अश्व (2)
22. मेरा या मेरी (2)
23. वह राजा जिसके नाम से कोई संवत् चले, धर्म (2)

वर्ग पहेली 6269 का हल

सि	ड	नी	■	ना	गी	वि	या
प	ल	■	व	त	न	■	म
ह	■	मो	■	■	■	स्पे	■
सा	हि	र	लु	धि	या	न	ती
ला	मा	■	क	न	क	■	■
र	क	म	■	■	■	र	त
■	त	न	■	फ	र	ज	■
■	■	स्वी	ड	न	■	क	र्म

जहरीली हवा का तांडव- भारत में श्वास और श्मशान के बीच का घटता फासला

(अशोक भाटिया)

इस भयावह जमीनी हकीकत को हाल ही में अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक समुदाय ने भी बेहद गंभीरता से रेखांकित किया है। स्वीडन के विश्व प्रसिद्ध कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट की एक हालिया और बेहद महत्वपूर्ण रिसर्च ने इस दिशा में ऐसे चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए हैं जो हमारी रूह को कंपा देने के लिए काफी हैं।

भारत में सांस लेना अब महज जिंदा रहने का जरिया नहीं रह गया है, बल्कि यह धीरे-धीरे मौत का सबसे बड़ा और खामोश कारण बनता जा रहा है।सुबह की जो ताज़ी हवा किसी भी इंसान के भीतर नए जीवन और ऊर्जा का संचार करने के लिए होनी चाहिए, वह आज हमारे फेफड़ों में ज़हर घोल रही है। भारत के महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक, आसमान में छाई धुंध और हवा में तैरते बारीक कण (पीएम 2.5 और पीएम 10) इस बात की गवाही दे रहे हैं कि हम एक सामूहिक स्वास्थ्य आपातकाल के मुहाने पर खड़े हैं। यह संकट किसी एक मौसम या त्योहार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी आधुनिक जीवनशैली, लापरवाह नीतियों और सामूहिक असंवेदनशीलता का एक ऐसा चक्रव्यूह बन चुका है, जिसने हर नागरिक को असमय मौत के साए में जीने के लिए मजबूर कर दिया है। जब हम विकास की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी धमक का जश्न मनाते हैं, तब हमारी पीठ पीछे एक पूरी पीढ़ी फेफड़ों की गंभीर बीमारियों, दिल के दौरों और मानसिक अवसान की तरफ धकेली जा रही है। यह महज पर्यावरण का क्षरण नहीं है, यह एक राष्ट्रीय त्रासदी है जिसे हम रोज़ थोड़ा-थोड़ा करके खुद ही लिख रहे हैं।

इस जानलेवा माहौल को बनाने में हमारे त्योहारों और उत्सवों के नाम पर होने वाली अति का एक बहुत बड़ा हाथ है। हर साल दिवाली, शादियों और अन्य सामाजिक समारोहों के दौरान देश भर में भारी मात्रा में जलने वाले पटाखे इस संकट को चरम पर पहुंचा देते हैं। पटाखों से निकलने वाला धुआं साधारण धुआं नहीं होता; इसमें तांबा, कैडमियम, सल्फर, एल्युमिनियम और बेरियम जैसे बेहद खतरनाक भारी तत्व होते हैं, जो हवा में हफ्तों तक तैरते रहते हैं। एक रात की आतिशबाजी और कुछ घंटों का दिखावटी मनोरंजन आने वाले कई महीनों के लिए हवा को सांस लेने के अयोग्य बना देता है। विडंबना यह है कि इसे हम अपनी संस्कृति और परंपरा का हिस्सा मानकर सही ठहराने की कोशिश करते हैं, जबकि कोई भी धर्म या परंपरा किसी मासूम के फेफड़ों को छलनी करने या नवजात शिशुओं को जन्म से ही अस्थमा का रोगी बनाने की इजाजत नहीं देता। पटाखों के इस बारूद ने हमारी चेतना को इस कदर सुन्न कर दिया है कि हम अगली सुबह सड़कों पर बिछी राख और सांस लेने में होने वाली तकलीफ को नियति मानकर स्वीकार कर लेते हैं। यह एक ऐसा आत्मघाती व्यवहार है, जिसकी कीमत हमारी आने वाली पीढ़ियां चुका रही हैं। उत्सवों के इस मौसमी प्रदूषण से इतर जो प्रदूषण हमारी रगों में हर सेकंड ज़हर भर रहा है।

आज का राशिफल

मेष

आज,जिम्मेदारियों का दबाव रहेगा। आपका दिन व्यस्तता में बीतेगा। कार्यक्षेत्र के साथ ही साथ आपको कई सामाजिक और व्यवहारिक जिम्मेदारियों को भी निभाना होगा। नौकरी में अधिकारियों और सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा। लेकिन महिलाओं वर्ग से बात व्यवहार में आपको संयम रखना होगा।

वृष

आज सहकर्मियों से सहयोग पाएंगे। आपको कार्यक्षेत्र में बुद्धि और चतुराई का फायदा मिलेगा। सहकर्मियों से अपेक्षित सहयोग मिलेगा। लेकिन सरकारी क्षेत्र के काम में आपको सतर्कता का ध्यान रखना चाहिए। यात्रा और वाहन पर खर्च होगा। पारिवारिक जीवन में प्रेम बना रहेगा।

मिथुन

आज,पुराने लेनदेन निपटाने होंग काम और सामाजिक एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच तालमेल बैठाना होगा। नौकरी में आपको अपने काम को तेजी से निपटाना होगा क्योंकि दिन के दूसरे भाग में आपके पास कुछ अन्य जिम्मेदारी हो सकती है। दिन खर्चीला भी रहेगा।

कर्क

आज,भावुकता में फैसला लेने से बचें। आपके ऊपर काम का दबाव अधिक रह सकता है। मानसिक चंचलता पर आपको कंट्रोल करना होगा। बीते दिनों हुए खर्च को लेकर आप सोच विचार में उलझेंगे। नौकरी में आपको सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा।

सिंह

आज,मर्यादित व्यवहार का फायदा होगा।कूटनीतिक योजनाओं और तकनीकी काम में आपको भाग्य सफल बनाएंगा। नौकरी में आप अपनी कार्ययोजनाओं का लाभ ले पाएंगे। प्रबंधन के काम से जुड़े जातकों को फायदा मिलेगा। आपके मन में किसी नए काम को शुरू करने का विचार भी आ सकता है।

कन्या

आज,कोई नया काम शुरू करेंगे।शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। आपको कार्यक्षेत्र में अपनी सूझबूझ और योजनाओं का फायदा मिलेगा। नौकरी में आपको महिला सहकर्मियों से अपेक्षित सहयोग मिलने की खुशी होगी।

तुला

आज,अटकी योजनाओं को गति मिलेगी। आपको करियर और कार्यक्षेत्र में आपको अपनी सक्रियता और वाणी कुशलता का फायदा मिलेगा। आपकी अटकी योजनाओं को गति मिलेगी। आपको उपहार और मान सम्मान मिलने की भी खुशी होगी। बिजनेस में आपको लाभ मिलेगा।

धनु

क्रोध और आवेश से आपको बचना होगा।पारिवारिक जीवन में आपको सगे संबंधियों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने से निराशा हो सकती है। आपके लिए जरूरी है कि जिम्मेदारियों का सारा बोझ अपने सिर पर लेने से बचें। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है।

कुंभ

आज,महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती आर्थिक पक्ष आपका सामान्य रहेगा। नौकरी में आपका काम सुचारू रहेगा। किसी कारण से आप काम से छुट्टी लेकर अपना कुछ जरूरी काम निपटा सकते हैं। मानसिक द्वंद चलता रहेगा।पारिवारिक जीवन में लोगों की आपसे अपेक्षा बढेगी।

वृश्चिक

आज,दिन लाभदायक रहेगा।आपको अपने कार्यक्षेत्र में कल कुछ तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में आपको कुछ अनचाहे खर्च का सामना करना होगा। बिजनेस करने वाले जातकों के लिए दिन लाभदायक लेकिन अपेक्षा से कम हो सकता है।

मकर

आज कारोबार में लाभ का अवसर मिलता रहेगा। आप रेडीमेड वस्त्र और किराना कारोबार में विशेष रूप से लाभ पाएंगे। किसी पुराने साथी सहकर्मी से मिलने का संयोग बन सकता है। पुराने निवेश का आपको फायदा मिलेगा। पारिवारिक जीवन में आपको दूर रहने वाले सगे संबंधियों से शुभ संदेश मिल सकता है।

मीन

आज,सेहत के मामले में ध्यान देना होगा।आर्थिक मामलों में आपको संभलकर व्यवहार करना होगा। शेयर सट्टा में धन लगाने से पहले अच्छे से पड़ताल कर लें। आपको सेहत के मामले में भी ध्यान देने की जरूरत है। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

संक्षिप्त समाचार

पेंशन पर बड़ा अपडेट, रिटायरमेंट के बाद तुरंत मोटा पैसा, सरकार ने बताए नए नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार से रिटायर होने वाले कर्मचारियों के लिए जरूरी अपडेट है। पेंशन कम्यूटेशन से जुड़े नियमों को पेंशन और पेंशनर्स कल्याण विभाग ने अक्टूबर 2026 में जारी ऑफिस मेमोरेंडम के जरिए पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है। पेंशन कम्यूटेशन पेंशन के एक हिस्से के बदले एकमुश्त रकम लेना है। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, सुपरएनुएशन और स्वैच्छिक रिटायरमेंट समेत पांच विशेष श्रेणियों के पेंशनर्स को बिना किसी मेडिकल जांच के यह सुविधा मिल सकती है।



बशर्ते वे एक साल की समयसीमा के भीतर आवेदन करें। वहीं, अमान्य पेंशन, सजा के तौर पर जरूरी रिटायरमेंट या डेडलाइन चूकने वाले कर्मचारियों के लिए मेडिकल टेस्ट जरूरी किया गया है। केंद्रीय कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद अपनी मंथली पेंशन का एक हिस्सा आंशिक रूप से छोड़कर उसके बदले एकमुश्त रकम लेने की सुविधा मिलती है। इसे पेंशन कम्यूटेशन कहा जाता है। पेंशन और पेंशनर्स कल्याण विभाग ने केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन कम्यूटेशन) नियम, 1981 के तहत नियमों को स्पष्ट करते हुए नया मेमोरैंडम जारी किया है। इन दिशानिर्देशों में बिना मेडिकल जांच के कम्यूटेशन की पात्रता, एक साल की आवेदन समयसीमा, जरूरी मेडिकल टेस्ट के मामलों और विभागीय या न्यायिक कार्यवाही के बाद के प्रावधानों को विस्तार से समझाया गया है। मकसद यह है कि कर्मचारियों को स्पष्टता मिल सके। कम्यूटेशन ऑफ पेंशन नियम, 1981 के नियम 12 के मुताबिक, पांच प्रमुख श्रेणियों के पेंशनर्स को बिना मेडिकल टेस्ट के पेंशन कम्यूट कराने की अनुमति दी गई है। इनमें सुपरएनुएशन (सामान्य आयु) पर रिटायर होने वाले कर्मचारी, लेने वाले कर्मचारी, किसी कॉर्पोरेशन या कंपनी में समाहित होने वाले और मासिक पेंशन चुनने वाले कर्मचारी, स्थायी पद समाप्त होने पर मुआवजा पेंशन पाने वाले और विभागीय या न्यायिक कार्यवाही के समापन के बाद आंशिक या पूरी पेंशन पाने वाले कर्मचारी शामिल हैं। प्रोविजनल पेंशन पाने वाले योग्य कर्मचारी भी इसके दायरे में आते हैं।

नोएडा-हिंडन से कुल्लू, मनाली, धर्मशाला और शिमला के लिए फ्लाइट शुरू करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली, जेवर और हिंडन एयरपोर्ट से कुल्लू, धर्मशाला, पठानकोट और शिमला जैसे पहाड़ी शहरों के लिए उड़ान शुरू हो सकती है। रीजनल एयरलाइंस स्नद्य491 इसके लिए बड़ी शिद्दत के साथ होमवर्क कर रही है। इस कंपनी ने 18 मार्च, 2024 को गोवा-बेंगलुरु रूट पर अपनी पहली फ्लाइट शुरू की थी।
एयरलाइंस ने साउथ और वेस्ट इंडिया में अपनी पैठ बनाने के बाद अब नॉर्थ इंडिया की तरफ भी रूख करने के अपने इरादे जाहिर किए हैं। छह टर्बोप्रॉप एटीआर-72 जैसे छोटे एयरक्राफ्ट के साथ अपनी उड़ान शुरू करने वाली एयरलाइंस के फाउंडर और सीईओ मनोज चाको ने एनबीटी को बताया कि वर्तमान में उनकी एयरलाइंस की साउथ और वेस्ट इंडिया में गोवा, नवी मुंबई, हैदराबाद, अगाती और तिरुपति जैसे 14 शहरों में हर सप्ताह 354 फ्लाइट हैं। अब नॉर्थ इंडिया पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया है। इसके तहत उन्होंने दिल्ली, जेवर और हिंडन एयरपोर्ट और इसके आसपास के एरिया की स्टडी करना भी शुरू कर दिया है। उन्हें नॉर्थ इंडिया में अपना बिजनेस बढ़ाने की काफी अच्छी उम्मीदें हैं। उन्हें लगता है कि दिल्ली, जेवर और हिंडन के आसपास के एरिया में उनकी एयरलाइंस को अच्छा बिजनेस मिल सकता है। जिसमें रीजनल कनेक्टिविटी के रूप में कुल्लू, धर्मशाला, पठानकोट और शिमला जैसे शहरों को वह जोड़ सकते हैं। चाको ने बताया कि वह उन तमाम शहरों को कनेक्ट करने के प्रयास में हैं, जहां 320 और ब्ज्737 नेरो बॉडी प्लेन भी टेक ऑफ और लैंड नहीं कर सकते।

दलाल स्ट्रीट पर बुल्स का कब्जा: सेंसेक्स 1300 अंक से अधिक उछला

निवेशकों की संपत्ति में भारी इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में आज गजब की तेजी दिखी है। मार्केट खुलते हैं स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ा उछाल दिखा है। ऐसा लग रहा है कि दलाल स्ट्रीट पर बुल्स का कब्जा हो गया है, जो निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स आज 82,248.68 पर खुला और 9 बजकर 38 मिनट में इसमें 1343 अंकों से अधिक की तेजी दर्ज की गई। यह हरे निशान में 1.66 फीसदी उछलकर 82,449.68 पर ट्रेड कर रहा था। इसके सभी 30 शेयर हरे निशान में दिखे। वहीं, 50 शेयरों वाले निफ्टी की बात करें तो इसमें भी बड़ी तेजी दिखी। यह आज 25,337.80 पर खुला और 9 बजकर 40 मिनट पर इसमें 356.35 अंक यानी कि 1.42 फीसदी की बढ़त दिखी। यह इस दौरान 25,401.00 पर कारोबार करते हुए दिखा। आइए जानते हैं कि निवेशकों की संपत्ति में कितना उछाल आया है और घरेलू बाजार में इस बड़ी तेजी की प्रमुख वजहें क्या हैं। आज स्टॉक एक्सचेंज बीएसई का इंडेक्स सेंसेक्स 1,143.87 अंक या 1.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 82,250.52 पर खुला। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला इंडेक्स निफ्टी 293.15 अंक या 1.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,337.80 पर खुला। शेयर बाजार में



तेजी की प्रमुख वजहें हैं। इनमें विदेशी निवेशकों की खरीदारी, मजबूत क्त्2 नतीजे, वैल्यूएशन-लार्ज कैप्स का मामला और ग्लोबल एआई ट्रेड व जियोपॉलिटिकल डेवलपमेंट है। घरेलू बाजार में लंबे समय तक बिकवाली के बाद अब विदेशी निवेशकों की खरीदारी तेजी के साथ बढ़ती हुई दिखी है।

शेयर बाजार में तेजी पर क्या बोले एक्सपर्ट

न्यूज एजेंसी एएनआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, बाजार की इस तेजी पर जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट, वी के विजयकुमार ने खास बाच कही है। उन्होंने कहा, 'इस महीने के सिर्फ छह ट्रेडिंग दिनों में निफ्टी 50 में 8.6 प्रतिशत की तेजी आई है।' इस तेजी की मुख्य वजह (विदेशी संस्थागत निवेशकों) द्वारा इस महीने अब तक की गई 53,170 करोड़ रुपये की भारी खरीदारी है। बाजार के माहौल में यह बड़ा बदलाव, भारत के लिए सकारात्मक वैश्विक संकेतों और (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) ट्रेड के कमजोर पड़ने की वजह से आया है।

कितने अंकों की बढ़त के साथ खुले सेंसेक्स और निफ्टी

भारतीय शेयर बाजार ने आज बुधवार को जोरदार तेजी के साथ शुरुआत की। सेंसेक्स और निफ्टी में अच्छी बढ़त देखने को मिली। न्यूज एजेंसी एएनआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मार्केट की इस तेजी के पीछे विदेशी निवेशकों की लगातार खरीदारी, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और दूसरी तिमाही के नतीजों का उम्मीद से बेहतर रहना मुख्य कारण रहे। घरेलू बाजारों में दिख रही यह सकारात्मक गति निवेशकों के बेहतर होते भरोसे को दर्शाती है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय शेयरों में वापसी और कंपनियों के मजबूत नतीजों ने इस तेजी को और सहारा दिया है। भारतीय शेयर बाजार में इस बड़ी बढ़त ने निवेशकों की संपत्ति में भारी इजाफा किया है, जो आज 6 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई है। हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, स्टॉक एक्सचेंज हस्श्व पर लिस्टेट कुल कंपनियों का मार्केट कैप लगभग 6 लाख करोड़ रुपय बढ़कर अब 513 करोड़ रुपये से ऊपर जा चुका है।

यूपीआई के सिस्टम पर क्रिप्टो से खरीदारी

2 मिनट में हो रहा पेमेंट, अधिकारियों ने खड़े किए हाथ



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में यूपीआई पेमेंट सिस्टम का इस्तेमाल अब क्रिप्टोकरेंसी से खरीदारी के लिए होने लगा है। वेब ऐप और बीच की कड़ी के रूप में काम करने वाले कन्वर्जन मर्चेंट, खरीदार के वॉलेट में मौजूद क्रिप्टो को आसानी से रुपये में बदल देते हैं। इसके बाद किसी भी सामान या सेवा के विक्रेता को दो मिनट से भी कम समय में भुगतान किया जा सकता है।यह इंटरमीडियरी अपने भारतीय बैंक खाते से दुकानदार को रुपये में पेमेंट कर देता है और बाद में को बाजार में बेचकर अपनी लागत और फीस वसूल लेता है।

क्या है पूरी प्रक्रिया

खरीदार को बस ऐप से विक्रेता का क्विक रिस्पॉन्स यानी क्त्क्र कोड स्कैन करना होता है। इसके बाद खरीदारी की रकम, ईमेल या मोबाइल नंबर और देश का नाम दर्ज करना होता है। फिर को एक तय वॉलेट में भेजना होता है। एक तरह की क्रिप्टोकरेंसी है, जिसकी कीमत डॉलर से जुड़ी होती है। खरीदार लेनदेन के लिए बनाए गए इस तय वॉलेट में अपने सामान्य क्रिप्टो वॉलेट से रुष्ट भेज सकता है। इसके बाद, ऐप तुरंत मर्चेंट इंटरमीडियरी की लिस्ट स्कैन करता है और उस इंटरमीडियरी को चुनता है जो की सबसे अच्छी एक्सचेंज रेट दे रहा हो। खरीदारी की रकम के बराबर कॉइन उस खास वॉलेट से कट जाते हैं और पैसों का इंतजाम करने वाले इंटरमीडियरी के पास चले जाते हैं।

क्या कहते हैं अधिकारी

जब नैशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के एक अधिकारी से बात की, तो उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की वजह से ऐसे ट्रांजैक्शंस को आंधिकारिक रूप से रोक पाना संभव नहीं है। क्रिप्टो से पेमेंट करने की सुविधा ने नियमों के अस्पष्ट दायरे पर सवाल खड़े कर दिए हैं। तकनीकी रूप से दुकानदारों को रुपये मिलने के कारण भले ही कोई सीधा कानून न टूटा हो, लेकिन जानकारों का मानना है कि इस तरह एक ही प्लेटफॉर्म से क्रिप्टो बदलना और से पेमेंट करना नियमों के दायरे से बाहर हो सकता है। जहां विदेशी क्रिप्टो कार्ड्स को आसानी से ब्लॉक किया जा सकता है, वहीं इस तरह के लेन-देन पर रोक लगाना अधिकारियों के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।

क्या है खामी

भारत में क्रिप्टोकरेंसी को कानूनी मुद्रा के रूप में मान्यता नहीं है। साल 2020 में सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने भारतीय रिजर्व बैंक के अप्रैल 2018 के उस सर्कुलर को रद्द कर दिया था, जिसमें बैंकों और वित्तीय संस्थानों को क्रिप्टो से जुड़ी कंपनियों को सेवाएं देने या क्रिप्टो की खरीद-फरोख्त के लिए बैंकिंग ट्रांजैक्शन की सुविधा देने से रोक दिया गया था।

कैसे बात आई सामने

डिजिटल एक्टिविस्ट ने सोमवार सुबह दुकानदारों के क्त्क्र कोड स्कैन करके एक कप कॉफी और पेट्रोल खरीदा। उन्होंने बताया, जिस रेट पर इंटरमीडियरी बाजार में बेचता है और जिस रेट पर कन्वर्ट करने का ऑफर दिया जाता है, उनके बीच का फर्क ही उसका मुनाफा होता है। यह मुनाफा शायद इंटरमीडियरी और ऐप देने वाले के बीच बंटता है।

फेस्टिव सीजन में मदर डेयरी ने दिया ग्राहकों को महंगाई का झटका, 4 रुपये तक महंगा हुआ दूध



नई दिल्ली, एजेंसी। फेस्टिव सीजन के बीच मदर डेयरी ने ग्राहकों को महंगाई का झटका देते हुए दूध की कीमत में 2 रुपये से 4 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। बढ़ी हुई कीमतें 12 नवंबर यानी गुरुवार से लागू होंगी। कंपनी का कहना है कि इनपुट कॉस्ट बढ़ने के कारण उसे दूध की कीमत बढ़ानी पड़ी है। कंपनी ने इससे पहले मई में भी दूध की कीमत बढ़ाई थी। उससे पहले पिछले साल अप्रैल में भी कंपनी ने दूध की कीमत रिवाइज की थी।

फुल क्रीम की कीमत 72 रुपये से बढ़ाकर 76 रुपये कर दी गई है जबकि टोंड दूध की थैली 60 रुपये के बजाय 62 रुपये में मिलेगी। वेंडिंग मशीन से मिलने वाले टोंड दूध की कीमत भी 58 रुपये से बढ़ाकर 60 रुपये कर दी गई है। डबल टोंड मिल्क 54 रुपये से बढ़कर 56 रुपये लीटर हो गया है जबकि गाय के दूध के लिए 62 रुपये के बजाय 65 रुपये खर्च करने होंगे।

मदर डेयरी की बिक्री: यह कंपनी दिल्ली-एनसीआर मार्केट में दूध की सबसे बड़ी सप्लायर है। मदर डेयरी दिल्ली-एनसीआर मार्केट में अपने आउटलेट्स, दुकानों और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के जरिए रोजाना करीब 35 लाख लीटर दूध बेचती है। इसकी रोजाना दूध की बिक्री 50 लाख लीटर से अधिक है। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी का टर्नओवर 17 फीसदी की ग्रोथ के साथ 20,300 करोड़ रुपये रहा था।

जेंसन हुआंग ने दो दिन में गंवाए 15 अरब, एनवीडिया को 400 अरब का फटका

नई दिल्ली, एजेंसी। एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। मंगलवार को कंपनी का शेयर कारोबार के दौरान छह फीसदी से ज्यादा गिर गया था। कंपनी के को-फाउंडर और सीईओ जेंसन हुआंग ने रविवार को एक चीनी महिला के साथ करीबी रिश्तों की बात स्वीकार की थी। अमेरिका के खुफिया अधिकारियों को शक है कि यह महिला चीनी जासूस है। हुआंग की स्वीकारोक्ति के बाद कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट आई है और इसका मार्केट कैप 400 अरब डॉलर कम हो चुका है। मंगलवार को एनवीडिया का शेयर अंत में 5.47 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 4.078 ट्रिलियन डॉलर रह गया है। ऐपल के बाद एनवीडिया दुनिया की दूसरी बड़ी वैल्यूएबल कंपनी है। हालांकि कारोबार के दौरान वह तीसरे नंबर पर खिसक गई थी। इस गिरावट से हुआंग की नेटवर्थ में मंगलवार को 7.96 अरब डॉलर की गिरावट आई। इस तरह दो दिन में उनकी नेटवर्थ 15 अरब डॉलर गिर चुकी है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक वह 141 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 13वें नंबर पर खिसक चुके हैं। इस बीच दिग्गज उद्योगपति और आरपीजी एंटरप्राइजेज के चेयरमैन हर्ष गोयनका ने भी हुआंग के लव अफेयर पर चुटकी ली है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'जब चीन और अमेरिका मिलते हैं, तो कमाल हो सकता है। हुआंग की हुआंग से मुलाकात! जेंसन हुआंग ने सिर्फ 4 साल में बढ़ाते हुए 27 अरब डॉलर से 400 अरब डॉलर पहुंचा दिया है।

टैक्स छूट के साथ शानदार रिटर्न भी देती हैं 2 सरकारी योजनाएं, बिना रिस्क के मजबूत करें अपना भविष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में लोग फाइनेंशियल प्लानिंग कई प्रकार से करते हैं। इनमें से कुछ बचत करके तो कुछ निवेश करके। इन सभी का मुख्य उद्देश्य यही होता है कि भविष्य में इनको किसी काम या आपात स्थिति में पैसों की जरूरत पड़ने पर किसी के सामने हाथ ना फैलाना पड़े बल्कि अपनी बचत की राशि से ही उनका काम अच्छे से चल जाए।इस बीच हम यहां दो ऐसी खास सरकारी योजनाओं के बारे में बात कर रहें हैं जो केवल बिना रिस्क के आपके भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित ही नहीं करती हैं बल्कि इनके रिटर्न पर आपको तय नियमानुसार टैक्स छूट का भी लाभ मिलता है। इनके नाम सीनियर सिटीजन्स सेविंग्स स्कीम और पब्लिक प्रोविडेंट फंड है। एक्सपर्ट इन योजनाओं को वित्तीय तैयारी और भविष्य के नजरिये से अच्छा मानते हैं। आइए अब जानते हैं कि ये योजनाएं क्या हैं।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अंबाला कैंट भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए उत्तर रेलवे के अंबाला मंडल के रेलवे स्टेशनों पर अनुबंधों के आवंटन के लिए IREPS वेबसाइट पर ई–ऑक्शन के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करते हैं।

लॉट संख्या	विवरण	नीलामी प्रारंभ तिथि/ समय
ADVT-UMB-UBC-OSD-397-26-1	अंबाला सिटी रेलवे स्टेशन पर 12' x 12' अर्थात 144 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाली एक वीडियो वॉल के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन अधिकार (डिजिटल) तीन वर्ष की अवधि के लिए (स्थल योजना के अनुसार)।	16.11.2026 12.00.00 hrs
ADVT-UMB-UBC-OSN-396-26-1	अंबाला सिटी रेलवे स्टेशन पर कुल 802 वर्ग फुट क्षेत्रफल को कवर करने वाले 14 विज्ञापन बोर्डों के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन (गैर–डिजिटल) (स्थल योजना के अनुसार)।	16.11.2026 12.00.00 hrs
ADVT-UMB-SIR-OH-394-26-1	स्थल योजना के अनुसार, 12 स्थानों पर यूनिपोल/ होर्डिंग वाले 06 साइटों का कुल विज्ञापन क्षेत्रफल 1040 वर्ग फुट है। ये साइटें अंबाला मंडल के SIR-DOA खंड में समपार फाटकों/ आर.यू.बी./ एल.एच.एस./ आर.ओ.बी. पर स्थित हैं।	18.11.2026 12.00.00 hrs
ADVT-UMB-BTI-OSD-391-26-1	बठिंडा रेलवे स्टेशन पर 10'x8' अर्थात 80 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाली 01 वीडियो वॉल के माध्यम से तीन वर्ष की अवधि के लिए वाणिज्यिक विज्ञापन अधिकार (डिजिटल)।	18.11.2026 12.00.00 hrs
ADVT-UMB-UMB-OSD-393-26-1	अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर 86 इंच क्षेत्रफल वाली 01 एलईडी स्क्रीन के माध्यम से तीन वर्ष की अवधि के लिए वाणिज्यिक विज्ञापन अधिकार (डिजिटल)।	18.11.2026 12.00.00 hrs
ADVT-UMB- BTI-OSN-377-26-1	बठिंडा रेलवे स्टेशन पर नॉन–डिजिटल आर.डी.एन. के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन हेतु 1014 वर्ग फुट स्थान (स्थल योजना के अनुसार)।	18.11.2026 12.00.00 hrs
ADVT-UMB- SIR-OSN-379-26-1	खन्ना (KNN) रेलवे स्टेशन पर 24 इंच व्यास वाले 14 नॉन–डिजिटल गोलाकार विज्ञापन बोर्डों तथा सरहिंद (SIR) रेलवे स्टेशन पर 18 इंच व्यास वाले 20 नॉन. डिजिटल गोलाकार विज्ञापन बोर्डों से युक्त नॉन–डिजिटल आर.डी.एन. के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन हेतु स्थान (स्थल योजना के अनुसार)।	18.11.2026 12.00.00 hrs
ADVT-UMB-KLK-OSN-380-26-1	कालका (KLK) रेलवे स्टेशन पर 24 इंच व्यास वाले 22 नॉन–डिजिटल गोलाकार विज्ञापन बोर्डों तथा प्रत्येक 25 मीटर x 1 मीटर आकार अर्थात प्रत्येक का क्षेत्रफल 2.5 वर्ग मीटर वाले 4 बोर्डों से युक्त नॉन–डिजिटल आर.डी.एन. के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन हेतु स्थान।	18.11.2026 12.00.00 hrs
ADVT-UMB- KDZ-OSN-376-26-1	नैरो गेज (कालका–शिमला) खंड पर कंडाघाट (240 वर्ग फुट), तारादेवी (300 वर्ग फुट), सालोगढ़ा (240 वर्ग फुट), कैथलीघाट (480 वर्ग फुट), शोघी (240 वर्ग फुट) रेलवे स्टेशनों पर नॉन–डिजिटल आर.डी.एन. के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन हेतु स्थान (स्थल योजना के अनुसार)।	18.11.2026 12.00.00 hrs

नीलामी/ लीजिंग आमंत्रण सूचना, नीलामी प्रपत्र, एक बार पंजीकरण व अधिक जानकारी हेतु रेलवे वेब साईट **www.ireps.gov.in** पर जाये।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3950/2026

चिप कंपनी ने भारत में शुरू की छंटनी, 1,000 से ज्यादा नौकरियों पर मंडरा रहा खतरा!

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी चिप कंपनी ने भारत में कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी के ग्लोबल रीस्ट्रक्चरिंग प्लान का असर भारत में भी पड़ सकता है और करीब 1,000 या इससे अधिक कर्मचारियों की नौकरियां प्रभावित होने की आशंका है। रिपोर्ट के अनुसार, छंटनी का पहला दौर इस सप्ताह बेंगलुरु स्थित कंपनी के ऑफिस से शुरू हुआ है। समय में यह प्रक्रिया भारत में अलग-अलग चरणों में आगे बढ़ सकती है। भारत में करीब 20,000 कर्मचारी हैं और यह अमेरिका के बाहर कंपनी के इंजीनियरिंग और रिसर्च से जुड़े सबसे बड़े ठिकानों में से एक है। ऐसे में इस छंटनी का असर भारतीय टेक और सेमीकंडक्टर सेक्टर में चर्चा का विषय बन सकता है। दुनिया भर में करीब 52,000 कर्मचारी काम करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी का मौजूदा रीस्ट्रक्चरिंग उसके ग्लोबल वर्कफोर्स के करीब 7 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित कर सकता है।



बेंगलुरु से शुरू हुई प्रक्रिया

रिपोर्ट के मुताबिक, छंटनी का पहला दौर सोमवार को बेंगलुरु फैसिलिटी में शुरू हुआ। इसके बाद कंपनी भारत में अपने अन्य ऑपरेशंस में भी चरणबद्ध तरीके से कर्मचारियों की संख्या कम कर सकती है। विश्लेषकों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी में भी छंटनी का एक और दौर देखने को मिल सकता है। भारत में बेंगलुरु के अलावा हैदराबाद, दिल्ली-हष्टक्रऔर चेन्नई में भी बड़े ऑपरेशंस हैं। कंपनी का भारत में इंजीनियरिंग और रिसर्च बेस काफी महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट के अनुसार, रीस्ट्रक्चरिंग का असर इंजीनियरिंग और रीसर्च से जुड़े कर्मचारियों तक पहुंच सकता है। कुछ प्रभावित कर्मचारियों ने कथित तौर पर कहा है कि उन्हें नौकरी छोड़ने के लिए कहे जाने से पहले परफॉरमेंस से जुड़ी कोई खास नकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली थी।दूसरी ओर कंपनी ने इस रीस्ट्रक्चरिंग को परफॉरमेंस कल्चर मजबूत करने की कोशिशों से जोड़ा है। अक्टूबर में कर्मचारियों को भेजे एक आंतरिक संदेश में की जानकारी दी थी। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने एनुअल एंप्लॉयी रिव्यूज के बाद नवंबर में जॉब कट शुरू करने की बात कही थी। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रभावित कर्मचारियों को उनकी सर्विस टेन्योर के आधार पर करीब तीन महीने की सैलरी के बराबर सेवरेंस पैकेज दिया जा सकता है। इसके अलावा, कुछ कर्मचारियों को रिलीविंग डॉक्यूमेंट्स तय समय के भीतर पूरे करने पर एक महीने की अतिरिक्त सैलरी का प्रस्ताव मिलने की भी बात सामने आई है। हालांकि, सेवेरांस पैकेज और अन्य शर्तें कर्मचारियों की भूमिका और सर्विस कंडीशंस के अनुसार अलग हो सकती हैं।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अंबाला छावनी द्वारा अंबाला मंडल के रेलवे स्टेशनों पर अनुबंधों के आवंटन के लिए IREPS वेबसाइट पर ई–नीलामी के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करते हैं।

नीलामी केटलॉग सं.: UMB-MIX-47-2026 रेट यूनिट: वार्षिक लाइसेंस फीस आकार – **10' X6'** वर्ग फीट

क्र. सं.	लॉट नं.	विवरण	नीलामी शुरू होने की तारीख और समय	नीलामी बंद होने की तारीख और समय
1.	Catg-UMB-KNN-SMU-166-25-1	खानपान– स्पेशल माइनर यूनिट (एसएमयू) खानपान स्टॉल नंबर–1, प्लेटफार्म संख्या–1 पर अनुसूचित जाति (स्वतंत्रता सेनानी, युद्ध मे शहीद की विधवा, रेल कर्मचारी की विधवा खन्ना (KNN) रेलवे स्टेशन पर।	12.11.2026 को 12:00 बजे	12.11.2026 को 12:30 बजे
2.	Catg-UMB-RPAR-SMU-184-26-1	खानपान स्पेशल माइनर यूनिट खानपान (एसएमयू) स्टॉल नंबर–2, प्लेटफॉर्म संख्या–1, अल्पसंख्यक महिला श्रेणी के लिए रूप नगर (RPAR) रेलवे स्टेशन पर।	12.11.2026 को 12:00 बजे	12.11.2026 को 12:40 बजे

ई–नीलामी की अधिक जानकारी हेतु सभी भावी निविदाकर्ता रेलवे वेबसाईट **www.ireps.gov.in** को देखें।
No: NR-UMB0COML(CG)/4/2023 Dated: 10 November, 2026 3933/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ



इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यही देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।

कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी-बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम,कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे-धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौपें।



वैश्विक करियर बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करता है विदेश में अध्ययन

आज दुनिया पहले से कहीं ज्यादा एक-दूसरे से जुड़ गई है और विदेश में पढ़ाई करना इसका सिर्फ एक पहलू है। विदेश में पढ़ाई करना किसी के भी जीवन की महत्वपूर्ण अवधि है। इसमें बहुत सारे जोखिम, समझ और व्यक्तिगत विकास शामिल हैं। यह छात्रों पर गहरा प्रभाव डालता है क्योंकि वे विभिन्न प्रकार की संस्कृतियों, विचारों के विभिन्न स्कूल, धर्मों और परंपराओं का अनुभव करते हैं जो जीवन के प्रति पूरी तरह से उदार रवैया रखते हैं। इसके अलावा, छात्रों के अध्ययन की देखरेख करता है और अध्ययन और अनुसंधान के नए तरीकों की खोज करता है जो उन्हें वैश्विक करियर बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करता है।

अग्रिम शैक्षणिक तैयारी

शैक्षणिक उपलब्धि भविष्य की उपलब्धियों के लिए महत्वपूर्ण कदम और रोजगार में प्रतिस्पर्धा पर बढ़त हासिल कर सकती है। आप अपने आप को आराम क्षेत्र से बाहर चुनौती देने के लिए विभिन्न शिक्षण शैली से सीख पाएंगे जो आपको अपरिचित वातावरण के अनुकूल होने के लिए तैयार करता है।

आजीवन अवसर

जैसा कि आप छात्रों को जीवनकाल में तेजी से बढ़ने और शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर मिलता है, इसलिए नई दुनिया और सीखने के अनुभव का पता लगाने और खोजने के लिए इस अवसर को अवश्य पकड़े।

लाइफटाइम कनेक्टिविटी

साथी छात्रों, शिक्षकों, पेशेवरों और परिवारों के लंबे समय तक चलने वाले संपर्कों के एक नेटवर्क पर टैप करें जो विदेशों में आपको प्रदान करता है, यह आपके जीवन को समृद्ध करता है, जो अक्सर महान अवसरों की ओर ले जाता है।

नई जानकारी

अपने विदेश प्रवास के दौरान, आप दुनिया के बारे में बहुत सी नई चीजें सीखेंगे जो आपके देश में रहने के दौरान संभव नहीं थी। एक नए वातावरण में रहने से आपके सोचने के तरीके को एक नया दृष्टिकोण मिलता है।

नई भाषा / संस्कृति

अलग-अलग देश में रहने से आपको एक अलग भाषा सीखने का मौका मिलता है। कई लोग नई भाषा और संस्कृति सीखने में रुचि रखते हैं, लेकिन जब आप देश में रहते हैं तो उनके सांस्कृतिक मूल्यों के साथ-साथ सीखना एक नया अनुभव होता है।
सांस्कृतिक मतभेद भाषा, भोजन या आदतों के अंतर से अधिक हैं। बाजार में कई किताबें उपलब्ध हैं या कोई टीवी पर किसी देश और उसकी परंपरा के बारे में जानकारी देते हुए शो देख सकता है। लेकिन जब आप देश में रहते हैं और लोगों के साथ बातचीत करते हैं तो आप क्या सीखते हैं, तभी आप सही मायने में किसी अन्य संस्कृति को समझ सकते हैं।

आत्म ज्ञान

अपनी पढ़ाई पूरी करने और घर लौटने के बाद, आप अपने व्यक्तित्व में बदलाव देखेंगे और अपने और जीवन के प्रति पूरी तरह से अलग दृष्टिकोण रखेंगे।

अनुभव

जब आप बिल्कुल नए वातावरण में अध्ययन करते हैं, तो कभी-कभी आप ऐसी स्थितियों में हो सकते हैं जो बिल्कुल नए हैं और बहुत चुनौतीपूर्ण हैं। ऐसी स्थितियों को संभालने से आपको कुशलतापूर्वक सीखने, समायोजित करने और जवाब देने, अपनी ताकत और क्षमताओं को खोजने और शूटिंग कौशल को परेशान करने का एक शानदार अवसर मिलता है।

सीखने की शैली

हर देश में पढ़ाने का अपना तरीका होता है। विदेशों में अध्ययन करना आपके द्वारा उपयोग किए जाने वाले तरीकों से बहुत भिन्न होने की संभावना है। शिक्षण की एक अलग शैली के माध्यम से सीखना बहुत उपयोगी साबित हो सकता है क्योंकि इससे यह समझने में मदद मिलती है कि कुछ करने के कई तरीके हो सकते हैं।

पाठ्यक्रमों की विविधता

जो विकल्प आपको अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में मिलते हैं, वे आपको अपने देश में कभी नहीं मिलेंगे।

व्यवसाय

पढ़ाई पूरी करने के बाद जब आप नौकरी की तलाश कर रहे होंगे तो, आपको हमेशा उन छात्रों पर फायदा होगा जिन्होंने राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में अपनी शिक्षा पूरी की है। दुनिया भर की कंपनियां दूसरे देशों में निवेश करना जारी रखती हैं, ऐसे लोगों की जरूरत पैदा करती हैं जो विविध संस्कृतियों से निपटने में सक्षम हैं। नियोक्ता के अनुसार, एक व्यक्ति जिसने विदेश में अध्ययन किया है वह आत्मनिर्भर है, आत्म-प्रेरित है, चुनौतियों को उठाना पसंद करता है। विदेशों में रहने और अध्ययन करने का आपका अनुभव, एक नई भाषा और संस्कृति का ज्ञान आपको अपने सपनों की नौकरी प्राप्त करने में ऊपर सेट करता है।

ग्लोबल विचार

विदेशों में अध्ययन करने से देशों को आतंकवाद, ग्लोबल वार्मिंग और वैश्विक स्तर पर जनसंख्या वृद्धि जैसे मुद्दों से निपटने में भी मदद मिल सकती है। छात्र ऐसे मुद्दों पर बैठकर चर्चा कर सकते हैं और अन्य छात्रों को अपने देशवासियों के सामने आने वाली समस्या को समझने में मदद कर सकते हैं और खुद को अन्य देशों के लोगों द्वारा सामना की जा रही समस्या को भी समझ सकते हैं। विदेशों में अध्ययन करने से यह भी अधिक लाभ होता है कि यह साथी छात्रों के बीच सद्भाव और स्नेह बढ़ाता है और अपने देशवासियों के लिए भले ही उनकी जाति, रंग और पंथ के बावजूद ये चीजें एक वास्तविक समान वातावरण बनाती हैं जहां केवल मानवता किसी भी पूर्वाग्रह के साथ मायने रखती है।





ऑफिस में आपके व्यवहार से प्रतिबिंबित होते हैं लीडरशिप के गुण

जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं -

त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए-पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई-न-कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पधी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।



वैज्ञानिक अध्ययनों का अनिवार्य अंग है गणित

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं।
गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है -

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्वविालय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं -
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्वविालय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

वैज्ञानिक अध्ययनों का अनिवार्य अंग है गणित

गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षण

गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेयर इंजीनियर सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के चलते बैंक तेजी से अपनी शाखाएं बढ़ा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के चलते अकाउंट्स तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब लोकप्रियता अर्जित की है। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक अत्यधिक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच मजेदार होंगे: रायन

ऑकलैंड । भारत के फॉरवर्ड रायन विलियम्स न्यूजीलैंड में खेलने के अपने पिछले अनुभव का इस्तेमाल भारतीय पुरुषों के देश के पहले दौरे की तैयारी के लिए कर रहे हैं, क्योंकि नेशनल टीम गुरुवार को ऑकलैंड के गो मीडिया स्टेडियम में दो इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों में से पहले मैच में ऑल व्हाइट्स का सामना करने के लिए तैयार है। यह दोनों टीमों के बीच तीसरा अंतरराष्ट्रीय मुकाबला होगा। इससे पहले 1981 और 2018 में दोनों टीमें आमने-सामने हुई हैं।



यह दौरा भारतीय टीम के ज्यादातर सदस्यों के लिए नया है। विलियम्स ऑस्ट्रेलियाई क्लब पर्थ ग्लोरी के साथ अपने समय के दौरान न्यूजीलैंड में खेल चुके हैं। 33 साल के इस खिलाड़ी ने जनवरी 2023 में पामर्स्टन नॉर्थ में वेलिंगटन फीनिक्स के खिलाफ ग्लोरी के 2-2 से ड्रॉ मैच में हिस्सा लिया था, जिसे 'डिस्टेंस डर्बी' के नाम से जाना जाता है। तस्मान में यात्रा करने की जरूरतों का अनुभव होने के कारण, वह लंबी यात्रा और समय के अंतर से आने वाली चुनौतियों को जानते हैं।

विलियम्स ने कहा, 'हर बार जब मैं खेलने के लिए न्यूजीलैंड आया हूं, तो यह हमेशा मुश्किल रहा है क्योंकि यह हर चीज से बहुत दूर है। पर्थ से, यह बहुत दूर है। समय का अंतर भी एक ऐसी चीज है जिसे आपको मैनेज करना होता है।' ऑकलैंड भारत से साढ़े सात घंटे आगे है, इसलिए बॉडी क्लॉक में बदलाव को मैनेज करना टीम की पहली प्राथमिकताओं में से एक था।

विलियम्स ने कहा कि उन्होंने यात्रा के दौरान एक प्लान्ड स्लीप रूटीन का पालन किया, जिसमें ऑस्ट्रेलिया और यूनाइटेड किंगडम के बीच यात्रा करने के कई सालों के अनुभव का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा, 'मेरा प्लान फ्लाइट के पहले हिस्से में सोने का था, जो मलेशिया के लिए था। मैं कुछ घंटे सोया, फिर जब तक हम यहां नहीं पहुंच गए, तब तक लगभग सोया ही नहीं। यह आपकी पूरी बॉडी क्लॉक को एक तरह से रीसेट कर देता है, इसलिए आप यहां आ सकते हैं, सीधे सो सकते हैं और पूरी रात सोने की कोशिश कर सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम में नंदिनी शर्मा का चयन



चंडीगढ़ । चंडीगढ़ की तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा को दिसंबर में होने वाले भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है। भारतीय टीम इस दौरे पर एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। दौरे की शुरुआत 9 दिसंबर को गेकेबरहा में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से होगी। इसके बाद तीन वनडे मुकाबले पार्ल, केपटाउन और ब्लोमफोंटेन में खेले जाएंगे। दौरे का समापन बेनोनी और पोटचेफस्ट्रूम में होने वाली तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के साथ होगा। इस साल की शुरुआत में भी नंदिनी शर्मा ने इतिहास रचा था। वह यूटी क्रिकेट एसोसिएशन (यूटीसीए) की पहली खिलाड़ी बनी थीं, जिन्हें ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर भारत की टेस्ट टीम में जगह मिली थी। हालांकि, उन्हें अभी टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू का मौका नहीं मिला है। नंदिनी के चयन पर यूटीसीए के अध्यक्ष सारांश टंडन ने कहा की दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट और वनडे दोनों टीमों में नंदिनी का चयन चंडीगढ़ और यूटीसीए के लिए बेहद गर्व की बात है। घरेलू क्रिकेट से लॉर्ड्स तक का सफर और अब ऑल-फॉर्मेट विदेशी दौरे के लिए भारतीय टीम में चयन उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगातार शानदार प्रदर्शन का परिणाम है। हमें पूरा विश्वास है कि नंदिनी आगे भी चंडीगढ़ और देश का नाम रोशन करेंगी।

हार्दिक को विदाई और अर्शदीप का स्वागत



मुंबई । मुंबई आईपीएल 2024 से आईपीएल 2026 तक मुंबई इंडियंस (एमआई) के कप्तान रहे स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या का नाता अब इस टीम से टूट चुका है। एमआई ने सोशल मीडिया पर हार्दिक को उनके आगे के सफर के लिए शुभकामना भी दे दिया है। साथ ही एमआई ने अपने साथ जुड़े अर्शदीप सिंह का स्वागत किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एमआई ने कई पोस्ट साझा करते हुए अपने कप्तान हार्दिक को बधाई दी है। एमआई ने अपने सबसे पहली पोस्ट में लिखा, 'हार्दिक, ब्लू एंड गोल्ड को जोश और गर्व के साथ रिप्रेजेंट करने के लिए धन्यवाद। हम आपको आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं देते हैं।'

मुंबई इंडियंस ने सोशल मीडिया पर साझा किया पोस्ट

एक अन्य पोस्ट में हार्दिक की प्रशंसा में एमआई ने लिखा, 'उतार-चढ़ाव के बीच, मुंबई इंडियंस की कहानी का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद, हार्दिक।' हार्दिक पंड्या आईपीएल 2027 में पंजाब किंग्स की तरफ से खेलते हुए नजर आएंगे। वह ट्रेड डील के तहत 18 करोड़ में पंजाब से जुड़े हैं। 2019 से पंजाब किंग्स का हिस्सा रहे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अब मुंबई इंडियंस का हिस्सा हैं।

एमआई ने पंजाब किंग्स से हार्दिक के बदले अर्शदीप सिंह को अपने साथ जोड़ा है। अर्शदीप भी 18 करोड़ में एमआई से जुड़ें हैं। एमआई ने सोशल मीडिया पर अर्शदीप सिंह की एक छोटी वीडियो साझा करते हुए टीम में उनका स्वागत किया है। एक अन्य पोस्ट में एमआई ने जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की फोटो साझा करते हुए लिखा है, 'प्रिय बल्लेबाजों, स्टंप उड़ेंगे, किनारे उड़ेंगे। उंगलियां ऊपर जाएंगी। और वो पैर की उंगलियां? बेहतर होगा कि उन्हें बचाकर रखें। यह कॉम्बो जल्द ही जोड़ों में शिकार करेगा, सिर्फ टी20 आई में ही नहीं बल्कि आईपीएल में भी।'

जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की जोड़ी टी20 फॉर्मेट में भारतीय टीम के लिए गेंदबाजी की शुरुआत करती है और दुनिया की सबसे खतरनाक गेंदबाजी जोड़ी मानी जाती है। इन दोनों को साथ पाकर मुंबई इंडियंस बेहद खुश है। पंजाब किंग्स ने भी एक्स पर अर्शदीप सिंह के टीम से अलग होने की जानकारी देते हुए लिखा, 'एक युवा शेर से एक ऐसा नाम जिसने पंजाब को गर्व महसूस कराया। अर्शदीप, यहां हमेशा आपका घर रहेगा।'



हार्दिक का आना आईपीएल खिताब की तरफ एक जरूरी कदम : पंजाब किंग्स सीईओ सतीश मेनन

नई दिल्ली । नई दिल्ली पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के सीईओ सतीश मेनन ने बुधवार को प्रीमियर सीम-बॉलिंग ऑल-राउंडर हार्दिक पांड्या को साइन करने को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टाइटल जीतने की फ्रेंचाइजी की कोशिश में एक जरूरी कदम बताया।



बीसीसीआई ने बुधवार को आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि पंड्या मुंबई इंडियंस (एमआई) से एक ट्रेड डील में पंजाब किंग्स में शामिल हुए। डील के तहत बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस में शामिल हो गए। ट्रेड प्रक्रिया लगभग एक सप्ताह से चल रही थी। पंजाब किंग्स अभी तक कोई आईपीएल खिताब नहीं जीता है। उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन 2014 और 2025 में रहा है, जब टीम फाइनल में पहुंची थी।

मेनन ने बुधवार को एक बयान में कहा, 'हमें हार्दिक का पंजाब किंग्स परिवार में स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। वह एक साबित मैच-विनर है, जो जबरदस्त अनुभव, आत्मविश्वास और जीतने की सोच लेकर आए है। बैट और बॉल दोनों से गेम का रुख बदलने की उनकी काबिलियत उन्हें हमारी टीम के लिए एक कीमती बनाती है। हम आईपीएल के 20वें सीजन में कदम रख रहे हैं, हमारा फोकस एक ऐसी टीम बनाने पर है जो सबसे ऊंचे लेवल पर मुकाबला कर सके और ट्रॉफी पंजाब घर ला सके। हार्दिक का आना उस दिशा में एक जरूरी कदम है।'

मेनन ने अर्शदीप के पंजाब किंग्स से मुंबई इंडिया का हिस्सा बनने पर कहा, 'अर्शदीप कई सालों से पंजाब किंग्स का अहम हिस्सा रहे हैं, और यह हमारे लिए भी एक भावुक पल है। हमने उन्हें देश के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक बनते देखा है, और हमें उनके सफर पर बहुत गर्व है।

उन्होंने मैदान पर और मैदान के बाहर, दोनों जगह फ्रेंचाइजी के लिए बहुत योगदान दिया है, और पंजाब किंग्स परिवार में हमेशा एक खास जगह रखेंगे। हम उन्हें हर चीज के लिए धन्यवाद देते हैं और उनकी लगातार सफलता की कामना करते हैं।'

डब्ल्यूटीए फाइनल्स

नोस्कोवा ने गॉफ को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई



इंडियन वेल्स लिंडा नोस्कोवा ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। नोस्कोवा ने कोको गॉफ को 75 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। नोस्कोवा 2011 में पेट्रा क्वितोवा के बाद अपने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल्स में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। डब्ल्यूटीए के आंकड़ों के अनुसार, वह 2024 में गॉफ के बाद अपने पहले दो राउंड-रॉबिन मैच जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं और 2021 में एनेट कोंटावेइट के बाद ऐसा करने वाली पहली नंबर 8 सीड हैं। लिंडा नोस्कोवा ने पत्रकारों से कहा, मुझे तो यह भी नहीं पता था कि मैं सेमीफाइनल में हूं।

मैच खत्म होने के ठीक बाद, मैं पहले से ही इस बात पर फोकस कर रही थी कि मैं दो दिन में जेसी (पेगुला) के साथ कैसे खेलूंगी। इसलिए मेरे लिए ज्यादा कुछ नहीं बदला है। मैं अभी भी जीतना चाहती हूं। मैं अभी भी जो भी स्कोर, जो भी जीत मुमकिन हो, हासिल करना चाहती हूं। मैं यहां असल में मैच नहीं खेल रही हूं, इसलिए यह कुछ अलग नहीं होने वाला है।

नोस्कोवा ने गॉफ को पांच बार ब्रेक किया, जिसमें शुरुआती सेट में चार बार शामिल हैं। उसने नौ में से पांच ब्रेक-पॉइंट मौकों को कन्वर्ट किया और गॉफ की दूसरी सर्व पर 75 प्रतिशत (24 में से 18) पॉइंट जीते। रिटर्न पर नोस्कोवा ने जो दबाव डाला, उससे उन्हें दोनों सेट में 4-1 की लीड बनाने में मदद मिली। यह नोस्कोवा के लिए इस सीजन की छठी टॉप-10 जीत है, जिसने जुलाई में विंबलडन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीता था।

गॉफ अपने तीसरे राउंड-रॉबिन मैच में मार्टा कोस्त्युक का सामना करेंगी। उन्हें सेमीफाइनल में आगे बढ़ने के लिए एक जीत की जरूरत है। गॉफ, जो 2006 में मारिया शारापोवा के बाद डब्ल्यूटीए फाइनल्स में अपने तीसरे सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनना चाहती हैं, ने छह में से चार हेड-टू-हेड मुकाबले जीते हैं। हालांकि, जेसिका पेगुला, कोस्त्युक पर एक घंटे और 29 मिनट में 6-2, 7-5 से जीत के साथ टूर्नामेंट के नॉकआउट स्टेज में आगे बढ़ने की दौड़ में बनी हुई हैं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

रहमत शाह ने रचा इतिहास, टॉप-10 में जगह बनाने वाले पहले अफगान खिलाड़ी बने

दुबई। दुबई अफगानिस्तान के कप्तान रहमत शाह ने इतिहास रच दिया है। वे आईसीसी पुरुष टेस्ट प्लेयर रैंकिंग में टॉप 10 में जगह बनाने वाले देश के पहले क्रिकेटर बन गए हैं। शारजाह में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने शानदार प्रदर्शन के बाद वे सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वह टेस्ट क्रिकेट की किसी भी श्रेणी में टॉप-10 में जगह बनाने वाले पहले अफगान क्रिकेटर बन गए हैं। दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में



173 रन बनाने के बाद रहमत छह पायदान ऊपर चढ़े, जिससे उन्हें करियर की सबसे अच्छी रेटिंग मिली और वे भारत के कप्तान शुभमन गिल, दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम और श्रीलंका के कामिंदू मेंडिस जैसे बल्लेबाजों से आगे निकल गए। 33 साल के रहमत की यह पारी टेस्ट क्रिकेट में उनकी पांचवीं सेंचुरी और इस साल की दूसरी सेंचुरी थी। इस महीने की शुरुआत में, टीम आईसीसी मेन्स वनडे टीम रैंकिंग में अपनी अब तक की सबसे ऊंची जगह (छठे नंबर) पर पहुंच गई।

बांग्लादेश महिला टीम की फिटनेस और अनुशासन पर पूर्व हेड कोच

सरोवर इमरान ने सवाल उठाए

नई दिल्ली। बांग्लादेश महिला टीम के पूर्व हेड कोच सरोवर इमरान ने टीम के फिटनेस स्तर और ट्रेनिंग कल्चर पर सवाल उठाए हैं। उनका दावा है कि खिलाड़ियों को उनके कम्फर्ट जोन से बाहर निकालने और ज्यादा अनुशासन लाने की उनकी कोशिशों की वजह से उन्हें अपनी भूमिका से अलग होना पड़ा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने एशियन गेम्स के बाद अक्टूबर में सरोवर का कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने दिया और बाद में उनकी जगह डेविड हेम्प को नियुक्त किया।

एक रिपोर्ट के मुताबिक टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों ने बीसीबी से सरोवर इमरान की शिकायत की थी और उनके तरीकों पर सवाल उठाया था। सरोवर ने पहले बांग्लादेश के एशियन गेम्स से बाहर होने के बाद ड्रेसिंग रूम में अशांति की बात कही थी, जिसके बाद बोर्ड ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने पर विचार किया। प्रस्तावित कार्रवाई को आखिरकार वापस ले लिया गया, जिसमें बीसीबी ने बांग्लादेश क्रिकेट के साथ उनके लंबे जुड़ाव को ध्यान में रखा।

सरोवर ने कहा कि बोर्ड ने उन्हें जारी रखने का फैसला करने से पहले कभी उनसे सफाई नहीं मांगी। उन्होंने कहा, एशियन गेम्स और एशिया कप के बाद बीसीबी ने मुझसे कोई बातचीत नहीं की। मुझे एक पत्र मिला कि मैं ऑस्ट्रेलिया टूर पर नहीं जा रहा हूं क्योंकि कोई दूसरा कोच जाएगा। बीसीबी के साथ मेरी बस इतनी ही बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि कोचिंग का माहौल बहुत ज्यादा संतुलन बनाने वाला हो गया था, जिससे सुधार की बहुत कम गुंजाइश बची थी।

महिला टीम में शामिल होने के बाद अपने अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा, जहां तक ??मेरे गुस्से की बात है, जब मैं महिला टीम में आया, तो मैंने देखा कि गेंदबाजी कोच से लेकर स्पिन बॉलिंग कोच, बैटिंग कोच, ट्रेनर और फिजियो सभी बहुत शांत थे। वे महिला क्रिकेटरों की हर बात सुनते हैं और इस कम्फर्ट जोन में रहकर वे सुधार नहीं कर सकते। यही वजह है कि हमारी टीम आज भी वैसी ही है जैसी पांच साल पहले थी।



इमरान ने कहा, एक स्पिनर 30 गेंदें फेंकने के बाद कोच से कहती है कि वह अब और गेंदबाजी नहीं करेगी और कोच मान जाता है। एक या दो बल्लेबाज पूरे दिन बल्लेबाजी करते हैं। यह सब देखने के बाद मैंने दखल देना शुरू कर दिया। मैंने उनकी फिटनेस को लेकर भी दखल दिया।

उन्होंने कहा, जब मुझे उन्हें डांटने की जरूरत थी तो मैंने वैसा ही किया और अगर आप कहते हैं कि यह गुस्सा है तो मुझे नहीं लगता कि बांग्लादेश क्रिकेट सुधर सकता है। मुझे लगा कि मैं उन्हें सुधार सकता हूं और मैंने सात से आठ टूर किए और सब कुछ सिर्फ एक या दो टूर में फेल होने की वजह से खत्म हो गया।

न्यूज डायरी

राज्य भर में खुलेंगी 2,651 फेयर प्राइस शॉप्स

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने गरीब और पात्र परिवारों के लिए राशन डिपो की पहुंच को बेहतर बनाने के लिए राज्यभर में 2,651 उचित मूल्य की दुकानें खोलने का निर्णय लिया है। हाल ही में खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग ने प्रदेश में खाली पड़ी 2,651 उचित मूल्य की दुकानों (फेयर प्राइस शॉप्स) के लिए लाइसेंस हेतु ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि को आगे बढ़ा दिया है। अब इच्छुक आवेदक 25 नवंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जबकि पहले इसकी अंतिम तिथि 10 नवंबर 2026 निर्धारित थी।

एक सरकारी प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि फेयर प्राइस शॉप्स के माध्यम से विशेष रूप से उन दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को सीधा लाभ पहुंचाया जाएगा, जहां मौजूदा डिपो काफी दूर स्थित हैं। इस योजना से न केवल सार्वजनिक वितरण प्रणाली मजबूत होगी, बल्कि युवाओं के लिए स्वरोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। इसके साथ ही, इस पूरी प्रक्रिया में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण का प्रावधान किया गया है, जिससे जमीनी स्तर पर महिला सशक्तिकरण को भी एक नया बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने बताया कि इच्छुक आवेदक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इस पोर्टल की शुरुआत हरियाणा के मुख्यमंत्री द्वारा 10 अक्टूबर 2026 को की गई थी। उन्होंने आगे बताया कि योग्य आवेदक हरियाणा अंत्योदय सरल पोर्टल (https://saralharyana.gov.इन) के माध्यम से 25 नवंबर 2026 तक अपने आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। आवेदन से जुड़े विस्तृत दिशानिर्देश, पात्रता शर्तें और निर्देश विभाग की आधिकारिक वेबसाइट https://haryanafood.gov.in पर उपलब्ध हैं। प्रवक्ता ने यह भी बताया कि रिक्त उचित मूल्य की दुकानों का जिला-वार और गांव-वार विवरण भी विभाग की वेबसाइट और संबंधित जिला प्रशासन की वेबसाइटों पर देखा जा सकता है। विभाग ने सभी योग्य युवाओं और महिलाओं से इस बढ़े हुए अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया है और सलाह दी है कि निर्धारित अंतिम तिथि से पहले सरल पोर्टल पर आवेदन अवश्य जमा कर दें। इस पहल से हरियाणा में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के मजबूत होने और जमीनी स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

हरियाणा में आउटसोर्सिंग पॉलिसी के तहत कार्यरत कर्मचारियों की सेवाएं 31 दिसंबर तक बढ़ीं

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने आउटसोर्सिंग पॉलिसी के पार्ट-2 के तहत विभिन्न विभागों, बोर्डों एवं निगमों में कार्यरत कर्मचारियों की अनुबंध अवधि दो माह के लिए बढ़ा दी है। अब इन कर्मचारियों की सेवाएं 31 दिसंबर, 2026 तक जारी रहेंगी। यह विस्तार 1 नवंबर, 2026 से प्रभावी होगा।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी पत्र के अनुसार, स्वीकृत पदों के विरुद्ध आउटसोर्सिंग पॉलिसी के पार्ट-2 के तहत नियुक्त कर्मचारियों की अनुबंध अवधि पहले 31 अक्टूबर, 2026 तक बढ़ाई गई थी। अब सरकार ने मामले पर पुनर्विचार करते हुए इसे आगामी दो माह के लिए और बढ़ाने का निर्णय लिया है।

इसके अतिरिक्त, हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएनएल) के माध्यम से विभिन्न विभागों, बोर्डों एवं निगमों में तैनात कर्मचारियों की अनुबंध अवधि भी दो माह के लिए बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2026 तक कर दी गई है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह विस्तार एचकेआरएन द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुसार ही होगा। इस संबंध में मानव संसाधन विभाग द्वारा सभी संबंधित विभागों, बोर्डों एवं निगमों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

शहीद दिवस पर कैप्टन रोहित कौशल को भावभीनी श्रद्धांजलि

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। शहीद कैप्टन रोहित कौशल, सेना मेडल (शौर्य) का 31वां शहीदी दिवस आज जालौली, पंचकूला स्थित उनके स्मारक पर श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। 18 पंजाब रेजिमेंट एवं 12 राष्ट्रीय राइफल्स में सेवारत कैप्टन रोहित कौशल ने 11 नवंबर, 1995 को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान देश की एकता एवं अखंडता की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया था।



शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित करने एवं श्रद्धांजलि देने का नेतृत्व पंचकूला के मेयर शाम लाल बंसल ने किया। इस अवसर पर भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों एवं पूर्व सैनिकों के साथ स्थानीय पार्षद रोहित चैधरी, जिला सैनिक बोर्ड के हरिंदर सिंह, 18 पंजाब रेजिमेंट के जेसीओ अमरदीप सिंह तथा शहीद कैप्टन रोहित कौशल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जालौली की प्रिंसिपल पुष्पा देवी ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कैप्टन रोहित की माता वीणा शर्मा तथा उनकी बहनों अपर्णा और शुभा ने भी स्मारक पर पुष्प अर्पित कर अपने वीर सपूत एवं भाई को नमन किया। आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने भी शहीद को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों एवं स्टाफ द्वारा शहीद कैप्टन रोहित के जीवन और बलिदान पर आधारित एक स्मृति प्रस्तुति भी दी गई।

समारोह को संबोधित करते हुए पंचकूला के मेयर शाम लाल बंसल ने कहा कि राष्ट्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में युवाओं की सशक्त भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बच्चों को उचित संस्कार देने में अभिभावकों, विशेषकर माताओं के योगदान को भी निर्णायक बताया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने भीतर राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करें और अपनी सोच एवं क्षमताओं को राष्ट्रहित में उपयोगी बनाने का संकल्प लें। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार देश के लिए योगदान देने का प्रयास करना चाहिए।

पंचकूला के नियंत्रित परिधीय क्षेत्र में पीएमडीए की बड़ी कार्रवाई, 2 अवैध रेस्टोरेंट- कम-ढाबों को किया ध्वसत

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल सिंह के मार्गदर्शन में पंचकूला महानगर विकास प्राधिकरण (पीएमडीए) द्वारा पंचकूला के नियंत्रित परिधीय क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण एवं अनधिकृत निर्माणों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई।



यह अभियान जिला नगर योजनाकार, पीएमडीए, श्री विक्रम कुमार के नेतृत्व में चलाया गया।

इस कार्रवाई के दौरान नियंत्रित परिधीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव बांसघाटी और जाल्लाह में स्थित 2 अवैध रेस्टोरेंट-कम-ढाबों को ध्वस्त किया गया।

यह कार्रवाई ड्यूटी मजिस्ट्रेट श्री गुरमीत सिंह, पंचकूला महानगर विकास प्राधिकरण के कार्यकारी अभियंता तथा भारी पुलिस बल की उपस्थिति में संपन्न हुई। विभाग द्वारा यह भी जानकारी दी गई कि कालका से बद्दी रोड तक ग्रीन बेल्ट तथा निर्धारित सड़क के साथ किए गए अनधिकृत निर्माणों को हटाने के लिए आगामी तोड़फोड़ अभियान चलाया जाएगा। इस सड़क के किनारे अवैध निर्माण करने वाले व्यक्तियों के साथ-साथ कबाड़ी की दुकानों, स्क्रैप की दुकानों एवं स्क्रैप यार्ड संचालकों को भी आवश्यक नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

एसआईआर को लेकर भाजपा ने कसी कमर, पात्र मतदाताओं के नाम सूची में सुनिश्चित करने के लिए चलेगा प्रदेशव्यापी अभियान

प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने पत्र लिखकर प्रदेशवासियों और कार्यकर्ताओं से किया आह्वान, कहा- एक भी पात्र नागरिक मतादिकार से वंचित न रहे



हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर अपनी सक्रियता तेज कर दी है। पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में बने रहें और छूटे हुए पात्र नागरिकों के नाम नियमानुसार सूची में शामिल किए जा सकें, इसके लिए भाजपा प्रदेशभर में सघन अभियान चलाएगी। अभियान के तहत अनुपस्थित, अन्यत्र स्थानांतरित और संपर्क नहीं हो पाने वाले मतदाताओं की पहचान कर उनकी वास्तविक स्थिति का पता लगाया जाएगा। साथ ही पात्र नागरिकों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने में आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

इस अभियान की रणनीति को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने मंगलवार रात वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के विधायकों, पूर्व प्रत्याशियों, जिलाध्यक्षों, जिला प्रभारियों और बीएलए-1 के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक संगठन के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए। प्रत्येक बूथ पर बीएलए-2 के साथ समन्वय स्थापित कर अभियान को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने पर विशेष जोर दिया गया।

इसी क्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने बुधवार को प्रदेशवासियों और पार्टी कार्यकर्ताओं के नाम एक खुला पत्र जारी कर मताधिकार की रक्षा को लोकतंत्र के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में एक सामान्य नागरिक के वोट का महत्व देश के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति के वोट के बराबर है। मताधिकार केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि नागरिक के सम्मान, समानता और राष्ट्र के भविष्य के निर्धारण में उसकी भागीदारी का प्रतीक है। इसलिए किसी भी पात्र नागरिक का नाम केवल तकनीकी या प्रक्रियागत कारणों से मतदाता सूची से नहीं छूटना चाहिए।

डॉ. अर्चना गुप्ता ने अपने पत्र में 24 जुलाई 2026 की प्रारंभिक एसआईआर स्टेटस रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रदेश में 33 लाख 83 हजार 302 मतदाताओं के गणना फॉर्म प्राप्त नहीं हुए थे। इनमें 7 लाख 66 हजार 3 मृत, 2 लाख 4 हजार 832 अन्यत्र पंजीकृत, 13 लाख 74 हजार 759 स्थायी रूप से स्थानांतरित, 9 लाख 36 हजार 228 अनुपस्थित अथवा संपर्क नहीं हो पाने वाले तथा 1 लाख 1 हजार 480 अन्य कारणों की श्रेणी में दर्ज थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये प्रारंभिक आंकड़े हैं, न कि मताधिकार से वंचित नागरिकों की अंतिम संख्या।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने विशेष रूप से उन पात्र नागरिकों के प्रति चिंता व्यक्त की, जो रोजगार, शिक्षा, निवास स्थान में परिवर्तन अथवा जानकारी के अभाव में निर्धारित प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए हैं। उन्होंने पार्टी के सभी पदाधिकारियों, बीएलए-1, बीएलए-2 और बूथ कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे राजनीतिक विचारधारा, जाति और धर्म से ऊपर उठकर घर-घर संपर्क करें तथा प्रत्येक पात्र मतदाता को आवश्यक जानकारी और सहायता उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य ऐसे नागरिकों की पहचान करना है, जो मतदाता सूची में शामिल रहने अथवा नाम दर्जकराने के पात्र हैं, लेकिन किसी कारणवश गणना प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए हैं। अपने पत्र में डॉ. अर्चना गुप्ता ने निर्वाचन आयोग द्वारा 6 नवंबर को विभिन्न श्रेणियों में चिह्नित नागरिकों को पात्रता के अनुसार गणना फॉर्म पुनः प्रस्तुत करने के लिए दिए गए अवसर का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि नागरिक ceohary-ana.gov.in पर संबंधित सूचियों में अपना नाम जांच सकते हैं। इसके अतिरिक्त संबंधित बीएलओ, ईआरओ और एईआरओ से संपर्क कर निर्धारित प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। ऑनलाइन आवेदन और अन्य सुविधाएं voters.eci.gov.in तथा ECINET ऐप पर उपलब्ध हैं। सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 1950 और 1800-11-1950 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की समीक्षा बैठक में इंफ्रास्ट्रक्चर और ऊर्जा परियोजनाओं पर फोकस, अधिकारियों को दिए तेजी से काम पूरा करने के निर्देश

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रमुख विकास परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि परियोजनाओं के कार्य में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिन परियोजनाओं के कार्य में देरी हो रही है, उनके लिए जिम्मेदार ठेकेदारों पर नियमानुसार पेनल्टी लगाई जाए। इसके अलावा, जो ठेकेदार बार-बार कार्य में देरी करते हैं या निर्धारित मानकों के अनुरूप काम नहीं करते, उन्हें भविष्य में नए कार्य आवंटित न किए जाएं।

मुख्यमंत्री बुधवार को चंडीगढ़ में आयोजित 14वीं स्टेट प्रगति पोर्टल (SPP) की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में प्रदेश में चल रही 75 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली प्रमुख बुनियादी ढांचा और ऊर्जा क्षेत्र की परियोजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए परियोजनाओं में आने वाली बाधाओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर करें, ताकि विकास कार्यों को समय पर पूरा किया जा सके।

गुरुग्राम ग्लोबल सिटी और श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय की समीक्षा

बैठक में गुरुग्राम ग्लोबल सिटी प्रोजेक्ट (फेज-I) की प्रगति की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि परियोजना का कार्य सुचारू रूप से आगे बढ़ रहा है। क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए पटौदी रोड तथा सेंट्रल पेरिफेरल रोड (CPR) से जोड़ने वाली सड़कों के टेंडर और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं। इसी प्रकार, श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र की स्थापना से संबंधित परियोजना की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (HSIIDC) के माध्यम से कार्यान्वित इस परियोजना के लिए टेंडर जारी किया जा चुका है और ठेकेदार के साथ अनुबंध भी कर लिया गया है।

हिसार, फरीदाबाद, पलवल, रोहतक और भिवानी में स्थापित की जाएंगी स्पेशल न्यायालय, मामलों के त्वरित निपटान पर रहेगा विशेष फोकस

चंडीगढ़— हरियाणा में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) के नागरिकों को त्वरित न्याय दिलाने और उनके विरुद्ध होने वाले अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि एससी-एसटी से जुड़े प्रत्येक मामले में निर्धारित 60 दिनों की अवधि के भीतर न्यायालय में चार्जशीट दाखिल करना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि शत-प्रतिशत मामलों में इस समय-सीमा का पालन हो। पीड़ितों को न्याय दिलाने के मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही, ढिलाई अथवा कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ में अनुसूचित जाति अत्याचार अधिनियम 1989 और नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम 1955 के प्रावधानों के कार्यान्वयन की समीक्षा हेतु राज्य स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी भी मौजूद रहे।

बैठक में पुलिस महानिदेशक श्री अजय सिंघल ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि राज्य में एससी-एसटी से संबंधित मामलों में लगभग 28 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार एससी-एसटी से संबंधित मामलों में 60 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल करने की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है और इसे शत—प्रतिशत ले जाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है।

बैठक में बताया गया कि पीड़ितों को न्याय दिलाने में लापरवाही बरतने के मामलों में 10 पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। साथ ही, जिला एवं उपमंडल स्तर पर वरिष्ठ अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो मामलों की प्रगति, जांच और समयबद्ध निपटान की नियमित निगरानी करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपराधों में कमी के साथ-साथ पीड़ितों को न्याय दिलाना और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

एससी-एसटी से जुड़े मामलों के त्वरित निपटान को और गति देने के लिए मुख्यमंत्री ने हिसार, फरीदाबाद, पलवल, रोहतक और भिवानी में स्पेशल न्यायालय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन न्यायालयों के माध्यम से ऐसे मामलों की सुनवाई में तेजी लाई जाए, ताकि पीड़ितों को न्याय के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े। उन्होंने कहा कि स्पेशल कोर्ट्स स्थापित करने की प्रक्रिया को गति से आगे बढ़ाया जाए।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स फॉर एग्रो स्टैक को लेकर हुई बैठक आयोजित

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त एवं जिला स्तरीय टास्क फोर्स के चेयरमैन श्री सतपाल शर्मा की अध्यक्षता में लघु सचिवालय के सभागार में आज भारत सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा किसानों के लिए कृषि क्षेत्र में एग्रो स्टैक के प्रभावी उपयोग हेतु सुझावों को लेकर बैठक आयोजित हुई। उन्होंने किसानों को डिजिटल व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाकर आय दोगुनी करने पर बल दिया।



श्री सतपाल शर्मा ने कहा कि एग्री स्टेक को एकीकृत, किसान केंद्रित डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, जिससे कृषि नियोजन, सरकारी योजनाओं का लाभ, कृषि उत्पादकता और किसानों की आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य केवल किसानों की डिजिटल पहचान बनाना नहीं, बल्कि खेती से जुड़े सभी पहलुओं को एक ही डिजिटल व्यवस्था से जोड़ना होना चाहिए। उन्होंने बुनियादी डेटा और भूमि रिकॉर्ड का एकीकरण, किसान सुविधाओं और सरकारी योजनाओं का एकीकरण, फसल बीमा योजना और प्राकृतिक आपदा प्रबंधन, किसानों को ऋण सुविधा और कृषि आंकडो व सरकारी नियोजन में सुधार करने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी इसके बारे में अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत करें।

तहसीलदार श्री सुरेश कुमार ने बुनियादी डेटा और भूमि रिकॉर्ड का एकीकरण करने के लिए सुझाव दिया कि प्रत्येक किसान की आईडी को डिजिटल भूमि रिकॉर्ड, खसरा नंबर, भूमि स्वामित्व और वास्तविक खेती की जानकारी से जोड़ा जाए। किसानों, उनके खेतों, मौसमी फसलों, सिंचाई सुविधाओं और मिट्टी की गुणवत्ता का एकीकृत डेटाबेस तैयार किया जाए। इसके अलावा जिन किसानों के भूमि रिकॉर्ड में गलती है, या जो पट्टे पर जमीन लेकर खेती करते हैं, उनके रिकॉर्ड को अपडेट करने की व्यवस्था हो। इससे भूमि का नामांतरण और रिकॉर्ड में सुधार की प्रक्रिया आसान बन सकेगी।

पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत : कृषि एवं पशुपालन मंत्री

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है , इसीलिए पशुपालन को प्रोत्साहन देने और किसानों की आजीविका के नए आयाम समृद्ध करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कई बड़े कदम उठाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप, पर्यावरण और पशुधन हमेशा से भारत के आर्थिक चिंतन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं, तथा राज्य सरकार इसी दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

श्री राणा ने बताया कि राज्य की पंजीकृत गौशालाओं और नंदीशालाओं के गौवंश के साथ-साथ पुनर्वसित गौवंश के लिए चारा अनुदान हेतु अक्टूबर 2024 से नवंबर 2026 तक लगभग 361 करोड़ रुपये की धनराशि वितरित की गई है। इसके अतिरिक्त, दुग्ध प्रसंस्करण और पोषण को बढ़ावा देने के लिए पिस्ता और केसर फ्लेवर में दूध, जौ-ज्वार के लड्डू, बाजरे के लड्डू और मैंगो लस्सी जैसे पौष्टिक उत्पादों को भी लॉन्च किया गया है।

विष्णु दत्त का धनपत सिंह सांगी लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड-2026 के लिए चयन

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की समृद्ध लोकनाट्य परंपरा सांग को समर्पित प्रतिष्ठित श्री धनपत सिंह सांगी लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड-2026 के लिए प्रसिद्ध सांगी पंडित लख्मीचंद के पौत्र श्री विष्णु दत्त का चयन किया गया है। उन्हें एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

सूचना, जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा के निदेशक डॉ. आदित्य दहिया ने बताया कि हरियाणा की लोक संस्कृति में सांग का विशेष स्थान है। यह केवल मनोरंजन की विधा नहीं, बल्कि लोक जीवन, सामाजिक चेतना, नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम रही है। सांग की इसी गौरवशाली विरासत के संरक्षण एवं कलाकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा प्रतिवर्ष राज्य स्तरीय सांग महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 के राज्य स्तरीय सांग महोत्सव का आयोजन 23 से 27 फरवरी, 2026 तक हरियाणा कला परिषद, कुरुक्षेत्र के सभागार में किया गया था। पांच दिवसीय महोत्सव में प्रदेश के विभिन्न सांग कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से हरियाणा की पारंपरिक लोकनाट्य शैली, लोक संगीत, अभिनय और संवाद अदायगी की समृद्ध झलक प्रस्तुत की।

डॉ. दहिया ने बताया कि पुरस्कार के लिए निर्धारित मूल्यांकन प्रक्रिया अपनाई गई। इसके अंतर्गत समीक्षा समिति द्वारा कलाकारों की मंचीय प्रस्तुतियों का मूल्यांकन 60 अंकों तथा चयन समिति द्वारा उनके दस्तावेजों एवं जीवनवृत्त का मूल्यांकन 40 अंकों के आधार पर किया गया। दोनों समितियों के संयुक्त मूल्यांकन के उपरांत श्री विष्णु दत्त का इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चयन किया गया।

पंडित लख्मीचंद की गौरवशाली सांग परंपरा से जुड़ा है विष्णु दत्त का नाम

डॉ. आदित्य दहिया ने कहा कि हरियाणा की लोक नाट्य परंपरा में पंडित लख्मीचंद का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने अपनी रचनाओं, लोकगीतों और सांग प्रस्तुतियों के माध्यम से हरियाणवी लोक साहित्य को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। उनकी रचनाओं में लोकजीवन की संवेदनाएं, सामाजिक सरोकार, नैतिक मूल्य और मानवीय संबंधों की गहरी अभिव्यक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि पंडित लख्मीचंद के पौत्र श्री विष्णु दत्त का इस सम्मान के लिए चयन होना हरियाणा की उस समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान का प्रतीक है, जिसने लोककला और लोकभाषा को प्रदेश की विशिष्ट पहचान प्रदान की है।

हरियाणा के जे.सी. बोस विश्वविद्यालय और रोमानिया की टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ क्लुज-नापोका के बीच ड्यूल डिग्री और यूरोपियन मोबिलिटी पर सहमति

कंप्यूटर और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 2 प्लस 2 ड्यूल डिग्री प्रोग्राम का प्रस्ताव

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के छात्रों के पास जल्द ही अपनी इंजीनियरिंग की आधी डिग्री यूरोपीय संघ में पूरी करने का सीधा अवसर होगा। अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विश्वविद्यालय ने रोमानिया की प्रतिष्ठित टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ क्लुज-नापोका के साथ 2 प्लस 2 ड्यूल डिग्री कार्यक्रम शुरू करने की दिशा में कार्य-योजना तैयार की है। इस प्रस्तावित सहयोग के अंतर्गत कंप्यूटर इंजीनियरिंग एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को भारतीय और यूरोपीय विश्वविद्यालयों से डिग्री प्राप्त करने का अवसर मिल सकेगा। इसके साथ ही विद्यार्थी एवं संकाय आदान-प्रदान तथा संयुक्त नवाचार एवं अनुसंधान कार्यक्रमों पर भी सहमति बनी है।

इस संबंध में विश्वविद्यालय के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल कुलसचिव प्रो. अजय रँगा और प्रो. संजीव गोयल, जो वर्तमान में यूरोप के दौरे पर है, ने रोमानिया की टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ क्लुज-नापोका के साथ ड्यूल डिग्री, फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज, स्कॉलरशिप और संयुक्त नवाचार कार्यक्रमों को लेकर रणनीतिक चर्चा की।

दोनों पक्षों में सहमति के अनुरूप दोनों विश्वविद्यालय कंप्यूटर इंजीनियरिंग और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 2 प्लस 2 ड्यूल डिग्री प्रोग्राम शुरू करेंगे। इसके तहत छात्र दो साल की पढ़ाई फरीदाबाद में और दो साल क्लुज-नापोका में पूरी करेंगे। टीयूसीएन रोमानिया का एक प्रमुख तकनीकी विश्वविद्यालय है और यूरोपीय यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एलायंस का सदस्य है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग (इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) में शामिल होने के कारण यह विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ अकादमिक सहयोग के लिए यूजीसी के तय मानकों को पूरा करता है।

विश्वविद्यालय के आगामी शैक्षणिक सत्र से लगभग 15 छात्रों के पहले बैच का लक्ष्य रखा गया है। अंतरराष्ट्रीय शिक्षा को किफायती बनाने के लिए रोमानियाई विश्वविद्यालय ने शॉर्ट-टर्म स्टूडेंट एक्सचेंज के लिए आवास और भोजन को कवर करने वाली छात्रवृत्ति की पेशकश की है। इसके अलावा, जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के चयनित छात्रों के लिए ट्यूशन फीस को नाममात्र स्तर पर लाने के लिए फंडिंग सहायता पर भी विचार किया जा रहा है। कुलगुरु प्रो. संजय कौशिक ने इस अंतरराष्ट्रीय सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि यह साझेदारी शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान और नवाचार के लिए छात्रों के लिए नए वैश्विक रास्ते खोलेगी।

'विज्ञान शिक्षा संवर्धन छात्रवृत्ति योजना' के तहत आवेदन आज से

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने बुनियादी एवं प्राकृतिक विज्ञान विषयों में उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए 'विज्ञान शिक्षा संवर्धन (पीओएसई) छात्रवृत्ति योजना 2026-27' के तहत 12 नवंबर 2026 से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं।

हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी परिषद के प्रवक्ता ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य विज्ञान के क्षेत्र में मेधावी छात्रों की रुचि बढ़ाना और उन्हें उच्च शिक्षा जारी रखने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना है। पात्रता एवं अन्य विस्तृत दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए प्रवक्ता ने बताया कि इच्छुक छात्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी निदेशालय, हरियाणा की आधिकारिक वेबसाइट https://dst.high-ereduhry.ac.in पर जाकर 'छात्र' टैब के माध्यम से योजना के दिशा-निर्देश देख सकते हैं। इसके अलावा, आवेदन करने के लिए छात्र सीधे पोर्टल https://harch-hatravratti.highereduhry.ac.in पर विजिट कर सकते हैं, जहां उन्हें 'छात्र' टैब के अंतर्गत पहले अपना पंजीकरण करना होगा और उसके बाद अपने ऑनलाइन आवेदन जमा करने होंगे। यह वेब-पोर्टल छात्रों द्वारा ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने के लिए 12 नवंबर 2026 से लेकर 12 जनवरी 2027 तक खुला रहेगा।

विकास कार्यों के टेंडर में तेजी के लिए अलग कॉरपोरेशन बनाया जाए: मुख्यमंत्री

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महत्वपूर्ण विकास कार्यों की टेंडर प्रक्रिया को तेजी से सिरे चढ़ाने के लिए सिंगापुर की तर्ज पर अलग से कॉरपोरेशन बनाया जाए जो सभी विभागों के बड़े व महत्वपूर्ण टेंडरों की प्रक्रिया को बिना